डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

खेलःयह पारी बरसों तक याद रहेगी, पूर्व क्रिकेटरों ने...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःइब्राहिम अली खान के बॉलीवुड...

वर्ष -09 अंक -77 | प्रयागराज, सोमवार 29 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद सड़कों पर दिखा असंतुष्टों का गुस्सा

नई दिल्ली। कर्नाटक के राजभवन में जहां शनिवार को 24 नेताओं को मंत्रिपद की शपथ दिलाये जाने पर खुशी की लहर दौड़ गयी वहीं जिन कई वरिष्ठ विधायकों को 34 सदस्यीय सिद्धरमैया मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली, उनके बीच नाराजगी (राजभवन के) बाहर प्रदर्शन के रूप में नजर आयी। मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिलने से इन विधायकों के नाराज समर्थकों ने राज्यपाल के निवास 'राजभवन' के बाहर नारेबाजी की। बेंगलुरु के अलावा, तुमाकुरू के सिरा, मैसुरू, हावेरी, कोडागु और कई अन्य स्थानों पर भी प्रदर्शन किया गया। कई नाराज विधायकों एवं उनके समर्थकों ने अपनी नाराजगी प्रकट की। इसी तरह, टी.बी. जयचंद्र के समर्थकों ने यहां मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के निवास के बाहर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि कुंचितिगा समुदाय के साथ 'भारी नाइंसाफी' की गयी है क्योंकि उसे कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है।

प्रवीण नेतारू की पत्नी की चली गई नौकरी, भाजपा ने साधा कांग्रेस सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के आने के बाद कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कर्नाटक में पिछली भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनुबंध के आधार पर की गई सभी भर्तियों को रद्द करने का आदेश दिया। अनुकंपा के आधार पर रखे गए प्रवीण नेतारू की पत्नी की भी नौकरी चली गई है। सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। मारे गए भाजपा युवा मोर्चा नेता की पत्नी नूतन कुमारी को पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के कार्यालय में अनुबंध के आधार पर ग्रुप सी पद की पेशकश की गई थी। उन्होंने ड्यूटी पर रिपोर्ट की और मंगलुरु में काम करने की अपनी प्राथमिकता के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री के सामने व्यक्त किया।

देश को मिल गई नई संसद भवन,पीएम मोदी ने विधिवत पूजन के बाद किया भव्य उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई संसद भवन का उद्घाटन किया है। नई इमारत के उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की मूर्ति को प्रणाम किया। नई संसद भवन के उद्घाटन किए जाने का लंबे समय से इंतजार हो रहा था। इसके बाद ऐतिहासक राजदंड 'सेंगोल' का विधिवत पूजन करने के बाद उसे साष्टांग किया। इसके बाद ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया गया है।

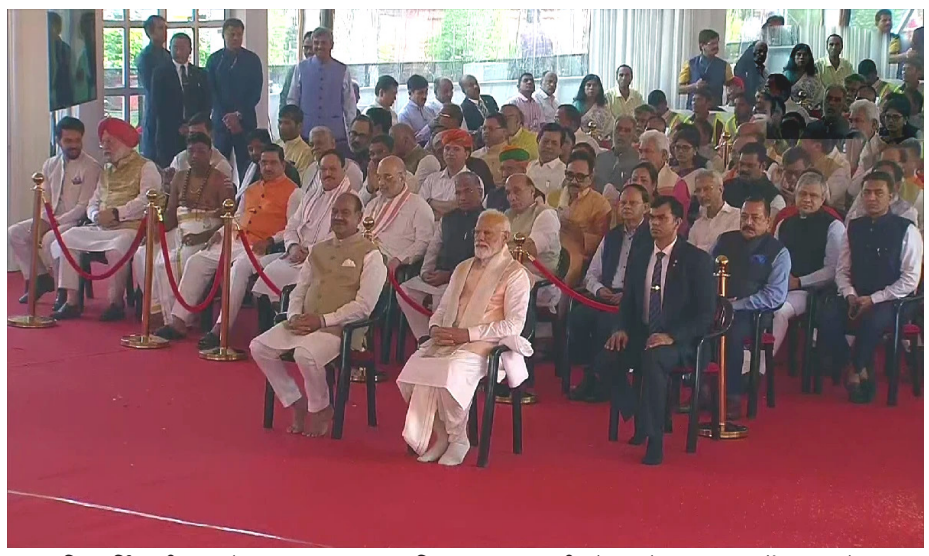

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चिर परिचित अंदाज में दिखे। पूजन के मौके पर उन्होंने सफेद रंग का धोती-कुर्ता पहन रखा था। इसके ऊपर उन्होंने क्रीम कलर का जैकेट भी पहना। पारंपरिक परिधान में प्रधानमंत्री मोदी ने द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मोदी और बिरला ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ पूजा अर्चना व हवन किया। प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम' अनुष्ठान किया। प्रधानमंत्री ने 'सेंगोल' (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद 'नादस्वरम' की धुनों के बीच प्रधानमंत्री मोदी सेंगोल को नए संसद भवन लेकर गए और इसे लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के दाईं ओर एक विशेष स्थान में स्थापित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस. जयशंकर और जितेंद्र सिंह, योगी आदित्यनाथ सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कुछ कर्मचारियों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर एक सर्वधर्म प्रार्थना भी आयोजित की गई। प्रधानमंत्री बाद में लोकसभा अध्यक्ष और कुछ अन्य गणमान्य लोगों के साथ पुराने संसद भवन गए। टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा निर्मित नए संसद भवन में भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान हॉल, सांसदों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान होगा। त्रिकोणीय आकार की चार मंजिला इमारत 64,500 वर्ग मीटर में फैली है। इस इमारत के तीन मुख्य द्वार ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार हैं। इसमें विशिष्ट जन, सांसदों और आगंतुकों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार होंगे। नए भवन के लिए उपयोग की गई सामग्री देश के विभिन्न हिस्सों से लाई गई है।

चीन से बेहद जटिल चुनौती का सामना कर रहा भारत : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन से बेहद जटिल चुनौती का सामना कर रहा है औरनरेन्द्र मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सीमावर्ती क्षेत्रों में यथास्थिति को एकतरफा बदलने का कोई प्रयास नहीं हो।

उन्होंने कहा कि यह चुनौती पिछले तीन सालों के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में 'बहुत स्पष्ट' रूप से दिखी। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों को रिश्ते में एक संतुलन तलाशना होगा, लेकिन यह दूसरे पक्ष की शर्तों पर नहीं हो सकता। यहां अनंत नेशनल विश्वविद्यालय में मोदी का भारतः एक उभरती ताकत विषय पर व्याख्यान देते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच शांति भंग होती है तो उनके संबंध प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। जयशंकर ने परोक्ष रूप से पूर्वी लद्दाख में चीन की घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा, ''जब मैं बड़ी ताकत की बात करता हूं, तो निश्चित तौर पर हमारे लिए चीन से खास चुनौती है। यह चुनौती बहुत जटिल चुनौती है, यह पिछले तीन सालों के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में 'बहुत स्पष्ट' रूप से दिखी।'' उन्होंने कहा, '' स्पष्ट रूप से जवाब दिये गये जिनकी जरूरत है। सरकार ने वे जवाब दिये। उस जवाब का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सीमावर्ती क्षेत्र में यथास्थिति में एकतरफा बदलाव का प्रयास न हो।'' उन्होने कहा ,''.. यदि आप मेरा सम्मान नहीं करते हैं, यदि आप मेरी चिंताओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, यदि आप मेरे हितों की उपेक्षा करते हैं तो हम लंबे समय तक साथ कैसे चल सकते हैं? जयशंकर ने कहा कि यदि भारत को अपने लिए सम्मान और संवेदनशीलता नजर आती है, तो वह चीन के साथ बेहतर संबंध के बारे में सोच सकता है। उन्होंने कहा, '' लेकिन यदि हमें ऐसा नहीं दिखता, तो मुझे लगता है कि हमें अपने अधिकारों के लिए खड़े होने की जरूरत है, हमें प्रतिरोध पर दृढ़ रहने की जरूरत है। और दुर्भाग्य से वर्तमान में यही स्थिति है।

आज जारी हो 75 रुपये का वो सिक्का जिसके एक तरफ है संसद की तस्वीर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को संसद के नए भवन का उद्घाटन कर इसे देश को समर्पित कर दिया है। नई संसद भवन का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास जताया कि यह भव्य इमारत जन-जन के सशक्तीकरण के साथ ही, राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को नई गति एवं शक्ति प्रदान करेगी। नई संसद भवन के उद्घाटन किए जाने का लंबे समय से इंतजार हो रहा था। बता दें कि नई संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर केंद्र सराकर 75 रुपये का स्मारक सिक्का जारी करेगी। संसद भवन के उद्घाटन के उपलक्ष्य में इस सिक्के को जारी किया जाएगा। इस संबंध में वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले आर्थिक कार्य विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को एक अधिसूचना जारी कर जानकारी दी थी। इस अधिसूचना के अनुसार, 'नये संसद भवन के उद्घाटन के उपलक्ष्य में 75 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया जाएगा। सिक्के का वजन 35 ग्राम है और यह चार धातुओं से बना हुआ है।' सिक्के के एक तरफ अशोक स्तंभ का शेर अंकित है, जिसके नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा है। इसके बाईं ओर देवनागरी में 'भारत' और दाईं ओर अंग्रेजी में 'इंडिया' लिखा होने के साथ ही रुपये

का प्रतीक चिन्ह भी अंकित है। वहीं, सिक्के के दूसरी तरफ नए संसद भवन की तस्वीर है। इसके ऊपर देवनागरी में 'संसद संकुल' और नीचे अंग्रेजी में 'पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स' लिखा है। नीचे 2023 भी लिखा हुआ है। अधिसूचना के मुताबिक गोल आकार के इस सिक्के का व्यास 44 मिलीमीटर है और इसे चार धातुओं - चांदी, तांबा, निकेल और जिंक को मिलाकर बनाया गया है। सिक्के में चांदी की मात्रा 50 प्रतिशत, तांबा 40 प्रतिशत, निकेल पांच प्रतिशत और जस्ता पांच प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, इसे आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) जारी करेगा। यह सिक्का यादगार के तौर पर जारी किया जाएगा। इसे करीब 3800 रुपये प्रति सिक्के की दर से बेचा जाएगा। नए संसद भवन का उद्घाटन समारोह रविवार को सुबह हवन और विभिन्न धर्मों की प्रार्थना के साथ शुरू होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा कक्ष में औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

ममता बनर्जी का आरोप, बंगाल में जाति आधारित दंगे कराना चाहती है भाजपा, मुझे भी मिल रही धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज एक बार फिर से भाजपा पर निशाना साधा है। मेदिनीपुर रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वह समुदायों के बीच नफरत फैलाकर पश्चिम बंगाल नहीं जीत सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कल मंत्री और आदिवासी नेता बीरबाहा हंसदा की कार पर हमला किया। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा मणिपुर की तरह ही बंगाल में समुदायों के बीच दंगे कराने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा किमंत्री बीरबाहा हांसदा की कार पर कल कुर्मी समुदाय ने हमला किया था। मेरा मानना ??है कि बीजेपी ने कुर्मी समुदाय के नाम पर ऐसा किया, नारे लगाए और बीरबाहा हांसदा की कार पर हमला किया। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा क्या कर रही है? कभी नोटबंदी तो कभी कुछ और इस बार प्रधानमंत्री बदलेंगे।

ओडिशा सरकार ने पूर्व मंत्री की हत्या के मामले में एफबीआई की मदद लेने के लिए केंद्र को पत्र लिखा

ओडिशा। सरकार ने कहा कि उसने दिवंगत मंत्री नब किशोर दास की हत्या की जांच में अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) की मदद लेने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। सरकार ने एक बयान में कहा कि बर्खास्त सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) गोपाल कृष्ण दास ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह मानसिक रूप से बीमारी था और इसके लिए दवाई ले रहा था। दास ने जनवरी में एक सार्वजनिक समारोह में नब कुमार की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। बयान के मुताबिक, हालांकि, चिकित्सा विशेषज्ञों ने दास को मानसिक रूप से स्वस्थ पाया है, लेकिन उन्होंने आगे की जांच का सुझाव भी दिया है।

बयान में कहा गया है कि यह एक बहुत ही संवेदनशील और दुर्लभ मामला है, इसलिए जांच में मदद करने के लिए सर्वोत्तम तकनीक और विशेषज्ञों की मदद लेने का निर्णय लिया गया है। बयान के अनुसार, यह स्थापित करने के लिए कि आरोपी का मानसिक स्वास्थ्य ठीक है, अपराध शाखा ने एफबीआई की

व्यवहार विश्लेषण इकाई से संपर्क करने का निर्णय लिया है, जिसके पास इस तरह की आपराधिक जांच के लिए सर्वोत्तम विशेषज्ञ और उपकरण हैं। बयान के मुताबिक, राज्य के गृह विभाग ने जांच में एफबीआई की सहायता के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है।

इसमें कहा गया है, 'पहले भी देश की पुलिस और जांच एजेंसियों ने अलग-अलग मामलों की तफ्तीश में एफबीआई की मदद ली है, जिनमें 26/11 का मुंबई आतंकवादी हमला मामला और राजस्थान भंवरी देवी हत्याकांड शामिल है।' बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने 22 फरवरी को गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था। ओडिशा में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के आरोपों के बीच यह बयान जारी किया गया है। दोनों दलों का आरोप है कि राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया है।

सरकार का ध्यान बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित : सीएम शिंदे

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है क्योंकि प्रगति के लिए कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार द्वारा परियोजनाओं के रास्ते में लगाई गईं रुकावटों को हटाने पर काम कर रही है। नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि बैठक में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के लिए लक्ष्यों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, ''मुख्य ध्यान रोजगार, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर रहेगा। विकास तब तेज होता है जब राज्य और केंद्र सरकारें एक विचारधारा की होती हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने युद्धस्तर पर परियोजनाएं पूरी की हैं और परियोजनाओं की बारीकी से निगरानी की जा रही है।'' शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास संबंधी मुद्दों और सुझावों को लेकर प्रधानमंत्री का रुख सरकारात्मक रहा। शिंदे ने नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने वाले मुख्यमंत्रियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे कदम से उनकी जनता और उनके राज्यों को

भुगतना पड़ता है। उन्होंने नए संसद भवन का रविवार को प्रधानमंत्री मोदी से उद्घाटन का विरोध करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। शिंदे ने कहा, ''संसद किसी दल की नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए नफरत वाले ऐसे दल साथ आ गए हैं। उन्हें प्रधानमंत्री के लिए अपने अहंकार और नफरत को दरकिनार कर उद्घाटन समारोह में भाग लेना चाहिए।'' शिंदे ने कहा कि मोदी 2024 आम चुनाव में रिकॉर्ड मतों से तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाएंगे। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि कुछ मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं, जिसका मतलब है कि केंद्र सरकार और नीति आयोग इन राज्यों से सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (दिल्ली), भगवंत मान (पंजाब), ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल), नीतीश कुमार (बिहार), एम के स्टालिन (तमिलनाडु), के चंद्रशेखर राव (तेलंगाना) और अशोक गहलोत (राजस्थान) शामिल नहीं हुए।

'गोवा में लौह अयस्क का खनन 2023-24 में फिर से शुरू हो सकता है'

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि गोवा में लौह अयस्क का खनन 2023-24 में फिर से शुरू हो सकता है। सावंत ने यह भी कहा कि इस तटीय राज्य ने जी20 और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठकों का इस्तेमाल अपने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के मौके के तौर पर किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में नीति आयोग की बैठक में सावंत ने कहा कि गोवा ने खनन गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए लौह अयस्क खदान की नीलामी के लिए कदम उठाए हैं। उच्चतम न्यायालय ने 2018 में 88 खनन पट्टों को रद्द कर दिया था, जिसके बाद से राज्य में खनन का काम बंद हो गया है। यह राज्य के राजस्व के बड़े स्रोतों में शामिल था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'चार लौह अयस्क खनिज ब्लॉक की पहली नीलामी दिसंबर 2022 में सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी है और सरकार को उनसे 43 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान प्राप्त हुआ है।

पुलिस ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को हिरासत में लिया

जंतर मंतर पर उखाड़ फेंके गए पदक विजेताओं के तंबू

नयी दिल्ली। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया को दिल्ली पुलिस ने रविवार को सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला 'महापंचायत' के लिए नए संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश करने के बाद कानून और व्यवस्था के उल्लंघन के लिए हिरासत में ले लिया जिससे जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन का अंत हो सकता है। पहलवानों को जबरदस्ती बसों में बैठाकर अज्ञात स्थल पर भेज दिया गया।

पुलिस ने इसके बाद पहलवानों के अन्य सामान के साथ चारपाई, गद्दे, कूलर, पंखे और तिरपाल की छत को हटा दिया। शीर्ष पहलवानों ने 23 अप्रैल को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अपना आंदोलन फिर से शुरू किया था। जंतर-मंतर पर अफरातफरी के बीच पहलवानों और पुलिस अधिकारियों ने एक-दूसरे को धक्का दिया और विनेश फोगाट और उनकी बहन संगीता फोगाट ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। विनेश ने हिरासत में लिए जाने के प्रयास के दौरान कड़ा प्रतिरोध किया और संगीता उनसे लिपट कर सड़क पर लेट गई।

पुलिस अधिकारियों ने उन्हें

कई अन्य पहलवानों और उनके समर्थकों के साथ घसीटते हुए बसों में बैठा दिया। कानून और व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त दीपेंद्र पाठक ने कहा, ''उन्हें कानून और व्यवस्था का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। हम जांच के बाद कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' पहलवानों के नए संसद भवन के सामने रविवार को 'महिला सम्मान महापंचायत के आह्वान के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर सुरक्षा कड़ी कर दी थी। संसद भवन की नई इमारत का उद्घाटन रविवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। लुटियंस दिल्ली इलाके में हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और कई जगत बैरिकेड लगाए गए। संसद भवन से करीब दो किलोमीटर दूर बैठकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने कहा था कि वे किसी भी कीमत पर नए संसद भवन के पास अपनी 'महापंचायत' करेंगे।

हालांकि पुलिस ने कहा कि किसी भी प्रदर्शनकारी को नए भवन की ओर नहीं जाने दिया जाएगा क्योंकि इसके लिए अनुमति नहीं दी गई है और पहलवानों को किसी भी 'राष्ट्र-विरोधी गतिविधि' में शामिल नहीं होना चाहिए। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश सहित आंदोलनकारी पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं जिन पर उन्होंने कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

पहलवानों ने कहा था कि पुलिस का बल प्रयोग उन्हें शांतिपूर्ण मार्च और महापंचायत से नहीं रोक पाएगा। चलती बस से एक पहलवान के समर्थक द्वारा साझा की गई 'लाइव लोकेशन' के अनुसार उन्हें टिकरी बॉर्डर की ओर ले जाया जा रहा था। पहलवानों द्वारा साझा किए गए एक अन्य वीडियो में जब पुलिस उन्हें वाहन में ले जा रही थी तो साक्षी के पति सत्यव्रत कादियान और जितेंद्र किन्हा को कई अन्य लोगों के साथ 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

सेंगोल की हुई संसद भवन में स्थापना, सात दशकों तक इलाहाबाद संग्रहालय की बढ़ाई है शोभा

प्रयागराज। इस समय पूरे देश में नए संसद भवन और उसके उद्घाटन समारोह चर्चा का विषय बना हुआ है। इस नए संसद भवन में राजदंड यानी सेंगोल की भी स्थापना की गई है, जिसका इतिहास आज का नहीं बल्कि 5000 वर्ष पुराना है। सात दशकों तक इलाहाबाद संग्रहालय की शोभा बढ़ाने वाले ऐतिहासिक सेंगोल (राजदंड) को नये संसद भवन में स्थापित किया गया है।

चोल वंश के समय का यह 'सेंगोल' चांदी से बना है और इस पर सोने की परत चढ़ी है। यह 1947 में अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। प्रयागराज में आम में इसे 'राजदंड' कहा जाता है, जबकि संग्रहालय के रिकॉर्ड में इसका उल्लेख 'सुनहरी छड़ी' के रूप में किया गया है। संग्रहालय के अधिकारियों ने कहा कि इस खालीपन को भरने के लिए 'सेंगोल' का एक प्रतिरूप संग्रहालय में रखा जाएगा। इलाहाबाद संग्रहालय के सहायक क्यूरेटर वमन वानखेड़े ने बताया कि इस संग्रहालय की नींव 14 दिसंबर, 1947 को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा चंद्रशेखर आजाद पार्क में रखी गई थी और संग्रहालय को आम जनता के लिए 1954 में खोला गया था। उन्होंने कहा कि नेहरू जी अपने सभी उपहार इलाहाबाद संग्रहालय को देना चाहते थे और तब उन्होंने तत्कालीन क्यूरेटर एससी काला को इस सेंगोल के बारे में बताया था।

बता दें कि प्राचीन भारत में राजा अपने साथ प्रतीकात्मक छड़ी रखा करते थे, जिसे राजदंड कहा जाता है। माना जाता है कि जिसके पास ये छड़ी होती थी राज्य का असली शासनाधिकारी वही होता था। यही कारण है कि इसे राजदंड कहा जाता था। बता दें कि वर्तमान में हिंदू धर्म के चारों प्रमुख शंकराचार्यों

के पास भी राजदंड होता है।

इस सेंगोल की लंबाई करीब 138.4 सेंटीमीटर है। वानखेड़े ने कहा कि यह इलाहाबाद संग्रहालय के लिए खुशी और गर्व की बात है कि इस सेंगोल को नयी संसद में स्थापित किया जा रहा है। इसे चार नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली को स्थानांतरित किया गया था। जब इस सेंगोल को दिल्ली स्थानांतरित किया गया, उस समय इस संग्रहालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के कुलपति एके सिंह ने कहा कि यह ऐतिहासिक छड़ी फिर से इतिहास का हिस्सा बनने जा रही है। सिंह के पास इस संग्रहालय का प्रभार 13 महीनों तक रहा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय से उनके पास एक फोन आया था जिसमें कहा गया कि इस सेंगोल को दिल्ली स्थानांतरित किया जाना है। इस प्रक्रिया को पूरा करने में दो से तीन महीने लगे। सिंह ने कहा कि जब स्थानांतरण प्रक्रिया जारी थी, तब राज्यपाल महोदया (आनंदी बेन पटेल) ने कहा कि इस 'सेंगोल' का एक प्रतिरूप इलाहाबाद संग्रहालय में रखा जाना चाहिए। हमने इस प्रतिरूप का ऑर्डर पहले ही दे दिया है और इसे जल्द संग्रहालय में स्थापित कर दिया जाएगा। इलाहाबाद संग्रहालय के निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा कि इस सेंगोल को नये संसद भवन में स्थापित करने का समाचार फैलते ही इस सेंगोल का ऐतिहासिक महत्व जानने के लिए संग्रहालय आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गई है। इलाहाबाद संग्रहालय के अधिकारियों ने इसे गर्व का विषय बताया है। रविवार को इसे लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया गया है। इस बीच, लोकसभा सांसद और प्रयागराज की पूर्व महापौर रीता बहुगुणा जोशी ने स्वीकार किया कि उन्होंने संग्रहालय में इस सेंगोल को कभी नहीं देखा, लेकिन अब हजारों लोग इसे संसद भवन में देखेंगे। इलाहाबाद संग्रहालय केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन आता है और इसकी पदेन अध्यक्ष राज्य की राज्यपाल हैं।

कोरांव क्षेत्र के घूघा गांव में ट्रैक्टर पलटने से तीन की मौत छः लोग घायल

कोरांव क्षेत्र के साजी गांव से बधाव कार्यक्रम के बाद ट्रैक्टर से घर लौट रहे थे लोग

प्रयागराज। कोरांव क्षेत्र के घूघा गांव की नहर में अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर के पलटने से दो महिलाओं समेत एक नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग गम्भीर रुप से घायल हो गए। घायलों में चार लोगों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। मृतकों में रीता देवी उम्र(40) पत्नी बुद्धसेन, सुमन देवी उम्र (40) पत्नी अनिल एवं इन लोगों का भतीजा गोलू उर्फ आशीष पुत्र मिश्रीलाल उम्र (15) शामिल हैं। मृतक सभी कोरांव के मड़फा गांव के निवासी है। मड़फा गांव से साजी गांव में बधाव गया हुआ था जहां से वापस लौटते समय घूघा गांव की नहर में टैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके बाद तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। चार घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घायलों में शिव कुमारी पत्नी राम सुख, हरेराम पुत्र गोपुत सिंह, लालता प्रसाद पुत्र राम जतन निवासीगण मड़फा रामचंद्र पुत्र सतई निवासी मनिकपूरा

मिर्जापुर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर चालक उमाकान्त शराब के नशे में था और पहले किसी एक बाइक सवार को टक्कर मार दिया था तो बाइक सवार के चिल्लाने पर ट्रैक्टर चालक हड़बड़ाहट में अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर नहर में पलट गया ग्रामीणों की सूचना पर कोरांव थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह मयफोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे देखा तो ट्राली के नीचे कई लोग दबे हुए हैं तो ग्रामीणों के सहयोग से उनको बाहर निकलवाया और एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव भेजवाया जहां डॉक्टरों ने 3 को मृत घोषित कर दिया और 4 घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया ।

शराब की दुकान में चोरी

प्रतापगढ़। स्थानीय थाना क्षेत्र के देसी शराब की दुकान में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने दीवार तोड़कर शराब सहित नगदी उठा ले गए । शनिवार सुबह बाजार वासियों ने देखा फोन से ठेकेदार को सूचना दी ।महेशगंज थाना क्षेत्र के बेलाही में गांव निवासी मोहम्मद अयूब की देसी शराब की दुकान मंडल भासो में हैं । दुकान पर कोरेही गांव के लालचंद यादव सेल्समैन का काम करता है । शुक्रवार रात 9 दुकान बंद कर अपने घर चला गया सुबह टूटी दीवाल देखकर स्थानीय लोगों ने ठेकेदार को सूचित किया । अनुज्ञा पी ने डायल 112 सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस में तहरीर लेकर जांच में जुट गई ।

मंजू यादव को समाजवादी पार्टी महिला सभा महानगर अध्यक्ष की चौथी बार कमान मिलने पर बधाई देने वालों का तांता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की तेज़ तर्रार महिला नेता मंजू यादव को चौथी बार प्रयागराज महिला सभा का महानगर अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर फिर से कमान मिलने पर बधाई देने वालों का तांता लगा है।कीडगंज निवासी मंजू यादव को महिला सभा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती रेखू श्रीवास्तव ने लगातार चौथी बार महानगर अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है।महानगर मीडिया प्रभारी सैय्यद मोहम्मद अस्करी के साथ बड़ी संख्या में सपा नेताओं व समाजसेवियों ने उनके कीडगंज आवास जा कर फूल माला पहना कर व बुके आदि भेंट कर बधाई दी। श्रीमती मंजू यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश

यादव ,प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रेखू श्रीवास्तव सहित अन्य प्रयागराज के बड़े नेताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा की अच्छी व जुझारु तेज़ तर्रार महिलाओं के साथ सभी वर्ग की महिलाओं को संगठन में जोड़ कर 2024 में सपा के अधिक से अधिक सांसद बनवाने के लिए कार्य जल्द ही प्रारम्भ किया जाएगा।प्रत्येक विधान सभा व वार्ड स्तर पर सशक्त महिलाओं को संगठन से जोड़ा जाएगा।बधाई देने वाले अन्य लोगों में सैय्यद मोहम्मद अस्करी ,आसिफ रिज़वी , रामानन्द सागर हेला ,सुशील ,सारिका यादव , उर्मिला सिंह ,बीना यादव ,रेनू गौतम ,सविता कैथवास ,अंकिता श्रीवास्तव ,आशा पाल ,वीरु पासी ,शान यदुवंशी ,शानू हाशमी ,रेहान अहमद ,प्रभाकर सिंह ,संतोष यादव ,ज़ामिन हसन ,औन ज़ैदी ,जौन ज़ैदी आदि ने मंजू यादव को चौथी बार प्रयागराज महिला सभा की महानगर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

डिप्टी सीएम ने वर्चुवल माध्यम से भेजा बधाई संदेश

फूलपुर। फूलपुर नगर पंचायत से चौथी बार नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष कद्दावर नेता अमरनाथ यादव को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्या ने वर्चुवल माध्यम से संदेश भेज कर उन्हें और भाजपा से विजयी सभी सभासदों को बधाई एवं शुभकामना देते हुए फूलपुर की जनता का आभार जताया।उन्होंने कहा कुछ व्यस्तता के कारण वह शपथ ग्रहण समारोह में नही सम्मलित हो पा रहे मगर जल्द ही फूलपुर में उनका आगमन होगा और उन्होंने कहा फूलपुर के सर्वांगीण विकास के लिए किसी प्रकार की कोई कमी नही रखी जाएगी।बधाई संदेश में उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी तैयारी की बात कही।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession
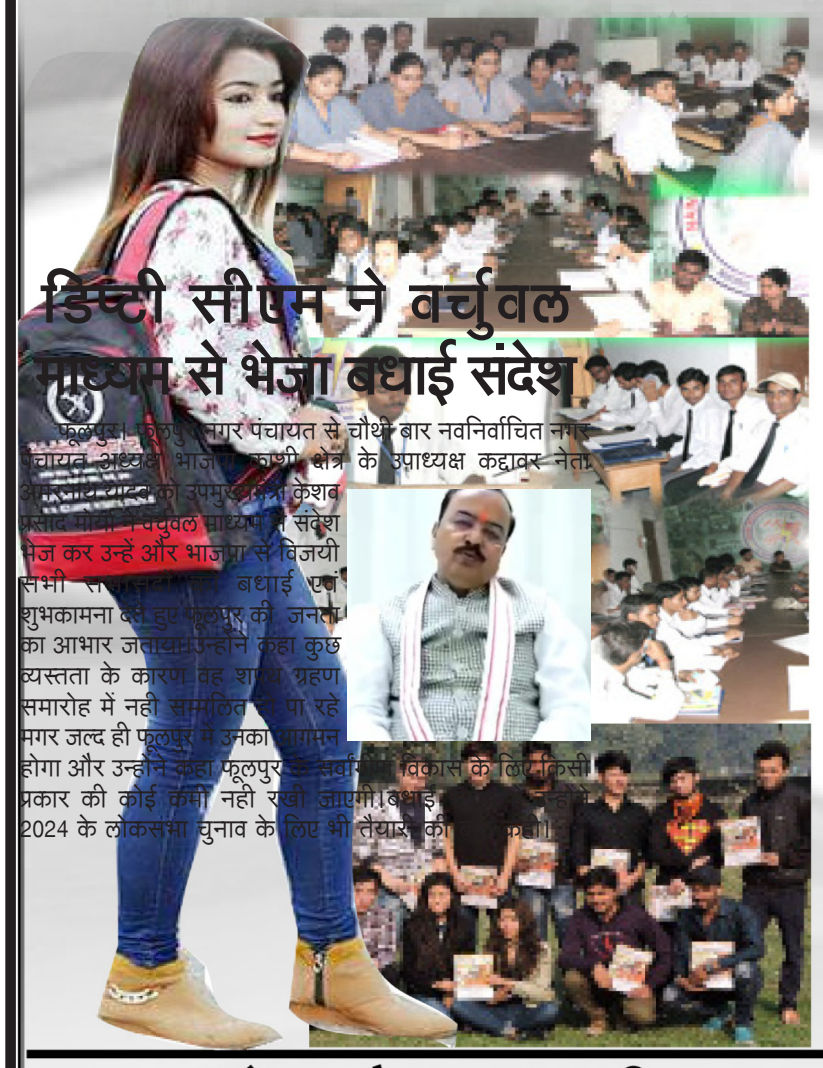
डिप्टी सीएम ने वर्चुवल माध्यम से भेजा बधाई संदेश
फूलपुर। फूलपुर नगर पंचायत से चौथी बार नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष कद्दावर नेता अमरनाथ यादव को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्या ने वर्चुवल माध्यम से संदेश भेज कर उन्हें और भाजपा से विजयी सभी सभासदों को बधाई एवं शुभकामना देते हुए फूलपुर की जनता का आभार जताया।उन्होंने कहा कुछ व्यस्तता के कारण वह शपथ ग्रहण समारोह में नही सम्मलित हो पा रहे मगर जल्द ही फूलपुर में उनका आगमन होगा और उन्होंने कहा फूलपुर के सर्वांगीण विकास के लिए किसी प्रकार की कोई कमी नही रखी जाएगी।बधाई संदेश में उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी तैयारी की बात कही।
कम्प्यूटर हार्डवेयर
डाटा इंट्री ऑपरेटर
फायर सेफ्टी
कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
इलेक्ट्रीशिन
सीएनसी प्रोग्रामिंग
इलेक्ट्रिक मैकेनिक
बेसिक कम्प्यूटिंग
सीसीए
वेल्डर
फिटर
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

श्रद्धालुओं ने की यज्ञ मंडप की परिक्रमा

भिखारी बाबा की कुटिया में भक्तो ने लिया आशीर्वाद - भक्तों ने भंडारे में लिया प्रसाद

रामकथा का किया रसपान-चुर्क स्थित वन रेंज कार्यालय के सामने चल रहा आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। चुर्क स्थित वन रेंज कार्यालय के सामने नवनिर्मित आदि शक्ति सदा शिव मंदिर धर्म स्थल तपोभूमि परिसर में शनिवार को छठवें दिन वैदिक रीति से पूजन अर्चन कर विराट रुद्र महायज्ञ शुरू हुई, जिसमे जड़ी बूटियों से आहुति दी गई। जिससे समूचा वातावरण शुद्ध हो गया। यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ रही तथा हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ परिसर गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने भिखारी बाबा की कुटिया में जाकर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही दिल्ली से पधारे मानस मर्मज्ञ आचार्य कृष्ण बिहारी जी महाराज के द्वारा सुनाई गई

रामकथा का भक्तों ने रसपान किया।आयोजित भंडारा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि चुर्क स्थित वन रेंज कार्यालय के सामने नवनिर्मित आदि शक्ति सदा शिव मंदिर उपासना स्थल परिसर में आचार्य राधेकृष्ण तिवारी, आचार्य रेवती तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी, आचार्य कौशल तिवारी एवं आचार्य रामचंद्र तिवारी के जरिए वैदिक रीति से पूजन अर्चन कर विराट रूद्र महायज्ञ शुरू कराया । छठवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जिसकी वजह से हर हर महादेव के जयकारे से समूचा यज्ञ परिसर गुंजायमान हो गया। एडवोकेट सुरेंद्र त्यागी,साध्वी कृष्णावती, नीतू, राजीव देव, अजय यादव, विशाल सिंह, रामलखन मौर्य, प्रभु नारायण, प्रहलाद विश्वकर्मा, शंकर बाबा आदि ने यज्ञ मंडप में जड़ी बूटी सामग्री से हवन किया। जिससे समूचा वातावरण शुद्ध हो गया। इसके अलावा भिखारी बाबा का पूजन करके श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। संतोष, नसीम कुरैशी, राम ब्रिज विश्वकर्मा , सत्यनारायण, रामवृक्ष आदि लोग मौजूद रहे।

विशेष किशोर पुलिस इकाई व मानव तस्करी रोधी इकाई की गयी मासिक समीक्षा बैठक

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। पुलिस लाइन चुर्क सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में विशेष किशोर पुलिस इकाई व मानव तस्करी रोधी इकाई की संयुक्त मासिक समीक्षा बैठक आहूत की गई जिसमे अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा एजेंडा बिन्दुवार कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमे बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय द्वारा पॉक्सो प्रकरण के संबंध में प्रारूप क व ख पर ससमय सूचना उपलब्ध कराने हेतु सम्बंधित बाल कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया व जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बाल भिक्षावृत्ति, बाल विवाह, सडकों पर कुडा बीनने वाले बच्चों के चिन्हाकन व संरक्षण के सम्बन्ध मे की गयी कार्यवाही के बारे मे विस्तृत चर्चा की गयी साथ ही यह भी बताया गया की जनपद में बाल भिक्षावृत्ति से कुल सात बच्चों को रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम कार्यवाही किया गया एवं बारह बच्चों को बाल भिक्षावृत्ति से मुक्त कराते हुए मौकेपर ही माता-पिता को सुपुर्द किया गया मानव तस्करी रोधी इकाई प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव द्वारा माह जून में बाल श्रम उन्मूलन अभियान के बारे मे चर्चा किया गया बैठक मे बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय, सदस्य अमरेश चंद्र पाठक ,अमित चंदेल किशोर न्याय बोर्ड से सदस्य शीला सिंह विधि सह परिवीक्षा अधिकारी नेहा अग्रहरी, जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ. आ. डब्ल्यू शेषमणि दुबे,संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक व दीपिका सिंह मानव तस्करी रोधी इकाई से उप निरीक्षक राम जी यादव मुख्य आरक्षी धनंजय यादव ,अमन द्विवेदी, सुनैना, मंजित पटेल एवं समस्त थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

बार कौंसिल अधिवक्ताओ के क्लेम प्रार्थना पत्रों का शीघ्र करे निस्तारण- राकेश शरण मिश्र

सँयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने बार कौंसिल को लिखा पत्र

आधुनिक समाचार सेवा

सोंनभद्र। सँयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ने 'बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश' को पत्र लिखकर प्रदेश के हजारों अधिवक्ताओ के मेडिकल क्लेम, डेथ क्लेम एवम अधिवक्ता कल्याण निधि क्लेम के प्रार्थना पत्र जो विगत कई वर्षों से विचाराधीन है का जल्द से जल्द निस्तारण करने की माँग की है। श्री मिश्र ने बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पाँचू राम मौर्या को लिखे पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश के हजारों अधिवक्ताओ के क्लेम प्रार्थना पत्रों पर आप द्वारा कोई प्रभावी कदम नही उठाया जा रहा है जिससे बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के कार्यशैली के प्रति प्रदेश के अधिवक्ता साथियों व उनके आश्रितों के हृदय में अत्यधिक पीड़ा व आक्रोश है। श्री मिश्र ने लिखा है कि प्रदेश के अधिवक्ता साथियों का आरोप है कि 'बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश' के चुने गए पदाधिकारी व सदस्य केवल अपने अपने जिलों के एवम अपने खास परिचित अधिवक्ताओ के कार्य को ही प्राथमिकता देते हैं जो बहुत ही दुःखद व निराशाजनक स्थिति है। श्री मिश्र ने पत्र में लिखा है कि बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओ की संस्था है और प्रदेश के सभी पंजीकृत अधिवक्ता इस संस्था के सदस्य हैं इसलिए आप से अनुरोध करता हूँ कि आप बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष रूप से क्रमवार पेंडिंग हर प्रकार के क्लेम प्रार्थना पत्रों का निस्तारण शीघ्र से शीघ्र करवाने की कृपा करे जिससे अधिवक्ताओ के हितार्थ कार्य करने वाली संस्था बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की सार्थकता बनीं रहे और प्रदेश के अधिवक्ताओ का विश्वास बार कौंसिल के प्रति कायम रहे।

युवती ने तीन लोगों पर लगाया छेड़खानी का आरोप

अमेठी। मुसाफिरखाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने कुछ लोगों पर जबरन उठाकर ले जाने और छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। कोतवाली के मझगंवा चौकी क्षेत्र के एक गांव की युवती ने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि बीती रात लगभग ग्यारह बजे जब वह घर मे सो रही थी तो तीन लोग जबरन उसे उठाकर घर से बाहर ले जाकर उसके साथ छेड़खानी व अश्लील हरकत की। चौकी इंचार्ज राजेश दीक्षित ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 363 व 366 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की है।

3 जून को आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के नेतृत्व में नोएडा के विधायक पंकज सिंह से भेंट की और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में लगने वाले आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का निमंत्रण दिया।उनके साथ पिंकी आर्या,गायत्री मीना,आस्था आर्या भी उपस्थित थे।

शिविर उद्घाटन पर शनिवार 3 जून को शाम 5.00 बजे पंकज सिंह मुख्य अतिथि रहेंगे। विधायक पंकज सिंह ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती के समाज पर अनेकों उपकार हैं उनके सन्देश को युवा पीढ़ी को पहुँचाना सराहनीय कार्य है। उल्लेखनीय है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती की विचारधारा से युवाओं को जोड़ने व उनके सर्वांगीण विकास के लिए 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '3 जून से 11 जून 2023 तक आयोजित किया जा रहा है जिसका 'भव्य समापन समारोह' रविवार 11 जून को प्रातः 11 बजे एमिटी ऑडिटोरियम सेक्टर 44 नोएडा में होगा जिसमें सांसद डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि होंगे साथ ही संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान व चेयर पर्सन डॉ.अमिता चौहान आशीर्वाद प्रदान करेंगे।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने बताया कि शिविर में 200 युवक भाग लेंगे जिन्हें योग आसन,दण्ड बैठक,लाठी ,जूडो कराटे,स्तूप,आत्म रक्षा शिक्षण, संध्या यज्ञ एवं भारतीय संस्कृति की जानकारी दी जाएगी।

कुछ तुम कमाओ, कुछ हम कमायें, चलो माटी से भी हम रुपये बनायें

अमेठी। खेत की मिट्टी खेत में गाँव की मिट्टी गाँव में नारा आपने भी सुना होगा,सुनने में यह भले ही महज एक नारा है लेकिन इसका महत्व तब समझ में आता है जब किसानों के खेत या फिर गाँव की माटी कहीं और स्थापित कर दी जाये सरकारें इसका दुष्परिणाम शायद बखूबी जानती हैं तभी तो सरकार द्वारा बिना स्वीकृति के मिट्टी की खुदाई स्थानांतरण को अवैध माना जाता है तथा ऐसा होने पर कठोर कानूनी कार्यवाही का प्रावधान बनाया गया है।

लेकिन बात अगर अमेठी में अवैध खनन की करें तो यहाँ खुलेआम गाँव गाँव गरजती जेसीबी,एक गाँव- पुरवे से दूसरे गाँव- पुरवे तक फर्राटे भरती मिट्टी से लदी टैक्टर ट्रालियां इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्र में ऐसा कोई भी काम अवैध नहीं जिसमें मोटी कमाई हो बस सबको बराबर हिस्सा मिलना ग्राम पंचायत के लेखपाल तथा प्रधान में कमाई का हिस्सा बांटना होता है उसके बाद हर कार्य बैध ही है ऐसे में यदि किसी ने

चाहिए। सूत्रों की मानें तो क्षेत्र में व्यवस्था फिलहाल कुछ तुम कमाओ,कुछ हम कमायें चलो अवैध खनन से रुपये बनायें जैसे नारे पर काम करती नजर आ रही है। जेसीबी संचालकों को अवैध खनन के लिए पुलिस विभाग में संबंधित हल्के के सिपाही,दरोगा, शिकायत करने की हिमाकत की तो उसका क्या हाल होता होगा यह कोई भी समझ सकता है। जाहिर सी बात है कहीं न कहीं शासन की दुर्बलता ही प्रशासन की ऐसी अवस्था की जिम्मेदार है जहाँ व्यवस्था जो भी करे वही जायज है और वही वैध है।

अखिल भारतीय व्यापार मंडल ने मनाया प्रेरणा दिवस

आधुनिक समाचार सेवा

सीतापुर।जिला अध्यक्ष भगवती गुप्ता के आवास पर अखिल भारतीय व्यापार मंडल का प्रेरणा दिवस का कार्यक्रम प्रदेश महामंत्री शोभित टंडन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें समस्त जिले के व्यापारी बंधु सम्मिलित हुए मुख्य रूप से लहरपुर विधानसभा अध्यक्ष राहुल सिंह, भाजपा जिला

संयोजक मीडिया आशीष त्रिवेदी, भाजपा नगर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल बजरंगी ,कंचन गुप्ता, विनय गुप्ता ,ममता डोडेजा जितेंद्र पाल ,राज किशोर सिंह, प्रियंका गुप्ता, ध्रुव गुप्ता के साथ सौकडो की संख्या में व्यापारी गण उपस्थित रहे । जिला अध्यक्ष भगवती गुप्ता ने आए हुए सभी व्यापारीयों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की साथ ही संगठन को ब्लॉक और कस्बों स्तर पर भी कार्यकारिणी गठन करने की बात अपने पदाधिकारियों से कहीं।

डॉ0 दीपक को मिला नशा उन्मूलन सम्मान

अमेठी। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में काशियाना फाउंडेशन द्वारा आयोजित नशामुक्त भारत राष्ट्रीय संगोष्ठी धन्यवाद सत्र में गायत्री परिवार के जिला युवा समन्वयक डॉ0 प्रवीण सिंह दीपक को नशा उन्मूलन सम्मान 2023 प्रदान किया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व उपाध्यक्ष श्याम जाजू, पूर्व आयुक्त दिव्यांगजन भारत सरकार डॉ कमलेश कुमार, सांसद दिल्ली हंस राज हंस, खेलरत्न अवार्डी पद्मश्री डॉ दीपा मलिक की गरिमामयी उपस्थिति में डॉ0 दीपक को अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

डॉ0 दीपक ने कहा कि नशामुक्त उन्मूलन सम्मान गायत्री परिवार के उन सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान है जो नशामुक्त भारत अभियान में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इस सम्मान को अमेठी के उन सभी साथियों को

समर्पित किया जिन्होंने नशे को त्याग कर श्रेष्ठ मार्ग पर चलने, श्रेष्ठ जीवन जीने का संकल्प लिया है।

काशियाना फाउंडेशन के संस्थापक सुमीत सिंह के आह्वान पर देश के कई राज्यों से आए विशिष्ट सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ0 दीपक ने कहा कि युवा देश भारत के चतुर्दिक विकास में नशा सबसे बड़ा बाधक है, भारत विश्वगुरु तभी बनेगा जब देश नशामुक्त होगा और देश के युवा अपनी शक्तियों को सही दिशा में लगायेंगे। उन्होंने की नशामुक्त भारत अभियान को जन अभियान बनाने की आवश्यकता है। गायत्री परिवार अमेठी के जिला समन्वयक डॉ0 त्रिवेणी सिंह, सुभाष चंद्र द्विवेदी, राधेश्याम तिवारी, डॉ0 धर्मेंद्र तिवारी, महेंद्र मिश्रा, रमेश सिंह, आलोक सिंह, अवधेश सिंह जन्मेंजय तिवारी, अभिषेक गुप्ता, नीरज पटेल आदि ने गायत्री परिवार की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सीतापुर में 15,000/- रुपये का इनामिया वांछित अपराधी गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री घुले सुशील चंद्रभान द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही एवम् वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपदीय पुलिस को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री एनपी सिंह के निकट

पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सिधौली श्री यादवेंद्र यादव के नेतृत्व में थाना अटरिया पुलिस टीम द्वारा लंबे समय से वांछित चल रहे अभियुक्त चन्दर उर्फ चन्द्रहास पुत्र स्व0 सोहन नि. ग्राम अलबदा चिरौजी थाना अटरिया जनपद सीतापुर को मनवा तिराहा मोड़ के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभियुक्त करीब 01 वर्ष से वांछित चल रहा था जिसकी शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सीतापुर महोदय द्वारा अभियुक्त पर 15,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अभियुक्त का चालान मा. न्यायालय किया गया है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही निरन्तर इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में ग्लेशियर

कश्मीर में कोल्हाई ग्लेशियर पिछले साल 20 मीटर से अधिक पिघल गया है जबकि दूसरा छोटा ग्लेशियर पूरी तरह से लुप्त हो गया है। यही हाल गोमुख ग्लेशियर का भी है जो साल-दर-साल पीछे खिसक रहा है। यानि पिघलने की रफ्तार जारी है। वैज्ञानिकों ने आगाह किया कि इसका अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि पूरे विश्व में बढ़ते तापमान की समस्या कम हो रही है। तापमान में हो रहे बदलाव का असर लोगों के जीविकोपार्जन पर भी पड़ रहा है। हिमालय पर्वत शृंखला

को विश्व का तीसरा ध्रुवीय प्रदेश भी कहा जाता है। यह ताज्जुब करने की बात नहीं है क्योंकि इस पर्वत शृंखला में साउथ पोल और नार्थ पोल के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा ग्लेशियर मौजूद हैं। आप इस जानकारी से तो बखूबी परिचित होंगे कि दुनिया के तमाम ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में हैं यानी उनका विनाश हो रहा है लेकिन हिमालय के काराकोरम रेंज के ग्लेशियर इसके अपवाद हैं। लगभग 20000 वर्ग किलोमीटर में फैला यह रेंज दुनिया के सबसे बड़े हिमनदों (ग्लेशियर) का घर है। नेचर क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार काराकोरम रेंज के ग्लेशियर बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर के बढ़ने का यह एक मात्र उदहारण है। यह एक सुखद खबर है। लेकिन इस पर विश्वास करना थोड़ा कठिन है। वह इसलिये है कि बढ़ते तापमान के कारण हिमालय की गोद में बसे उत्तराखण्ड राज्य की बहुत सारे नदी-नाले और प्राकृतिक जलस्रोत सूखने के कगार पर हैं। चूँकि नदी-नालों के अनवरत जलमय रहने का सीधा सम्बन्ध उनके जलस्रोतों ग्लेशियर पर निर्भर करता है। आपको बताते चलें कि काराकोरम के ग्लेशियर के बढ़ने की बात को वैज्ञानिक सत्य मान रहे हैं। इस विषय पर कई शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं जो ग्लेशियर के आकार में गुणात्मक बदलाव की बात कहते हैं। काराकोरम के ग्लेशियर के आकार में परिवर्तन की बात सबसे पहले 2005 में नोटिस की गई थी। इसके बाद यह दुनिया के तमाम हड्रोलॉजिस्टस के लिये कौतूहल का विषय बन गया। हाल के दिनों में प्रकाशित एक शोध में ब्रिटेन के न्यूकैसल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हेले फावलर ने बताया कि काराकोरम रेंज में ग्लेशियर के आकार के बढ़ने का सीधा सम्बन्ध हिमालय के अपर लेयर में हो रहे जलवायु परिवर्तन से है। उन्होंने बताया कि इस पर्वत शृंखला के ऊपर एक अलग किस्म का सर्कुलेशन सिस्टम विकसित होता है। इस सर्कुलेशन सिस्टम की विशेषता यह है कि यह जाड़ों के मौसम की अपेक्षा गर्मी में ज्यादा ठंडा रहता है। यानि इस पर्वत शृंखला के ऊपर हवा का दबाव ठंड की अपेक्षा गर्मी के मौसम में ज्यादा होता है। हवा के दबाव में हो रहे इस परिवर्तन का कारण वैज्ञानिक भारतीय मानसून को मानते हैं। उनका कहना है कि मानसून के दिनों में काराकोरम रेंज के ऊपर से चलने वाली हवाएँ और ठंडी हो जाती हैं जो अन्ततः ग्लेशियर के बढ़ने का कारण है। इस रेंज में गर्मी और जाड़े के मौसम में तापमान में बदलाव सामान्यतः कम होता है जिससे ग्लेशियर को जमने के लिये साल भर का समय मिलता है। उल्लेखनीय है कि फ्रांस की एक टीम ने उपग्रह से प्राप्त चित्रों की मदद से ये पता लगाया है कि हिमालय के ग्लेशियर पर ग्लोबल वार्मिंग का कोई खास असर नहीं पड़ा है। बढ़ते तापमान की वजह से दुनिया के दूसरे इलाकों में पहाड़ों पर बर्फ पिघली है लेकिन काराकोरम क्षेत्र इसका अपवाद है। फ्रांस के वैज्ञानिक 3-डी उपग्रह तस्वीरों के जरिए 2000 और 2008 के नक्शों की तुलना करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि इस दौरान ग्लेशियर की बर्फ में कोई कमी नहीं आई है बल्कि वहाँ 0.11 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से बर्फ बढ़ी ही है। इसके अलावा नासा के सेटेलाइट से कुछ दिन पहले यह पता चला था कि ग्लेशियर की स्थिति उतनी भयावह नहीं है जितना हम सोच रहे हैं। इसलिये अब साफ हो गया है कि स्थिति बेहतर ही हुई है। हालांकि पहले के अध्ययनों में यह कहा गया था कि काराकोरम रेंज के ग्लेशियर भी बाकी हिमनदों की तरह ही पिघल रहा है जो अन्ततः समुद्र में पानी के स्तर को बढ़ाएगा। यह भी बताया गया था कि बढ़ते तापमान का भारतीय हिमनदों पर बुरा असर पड़ रहा है और अगर इनके पिघलने की यही रफ्तार रही तो ये 2035 तक गायब हो जाएँगे। शोधकर्ताओं का कहना था कि कश्मीर में कोल्हाई ग्लेशियर पिछले साल 20 मीटर से अधिक पिघल गया है जबकि दूसरा छोटा ग्लेशियर पूरी तरह से लुप्त हो गया है। यही हाल गोमुख ग्लेशियर का भी है जो साल-दर-साल पीछे खिसक रहा है। यानि पिघलने की रफ्तार जारी है। वैज्ञानिकों ने आगाह किया कि इसका अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि पूरे विश्व में बढ़ते तापमान की समस्या कम हो रही है। तापमान में हो रहे बदलाव का असर लोगों के जीविकोपार्जन पर भी पड़ रहा है। उत्तराखण्ड के पहाड़ों में तापमान बढ़ने के कारण ऊँचे बसाव वाले इलाकों में खेती प्रभावित हो रही है। वरिष्ठ विज्ञान पत्रकार दिनेश सी. शर्मा बताते हैं कि समुद्र तल से 1500 से लेकर 2500 मीटर की ऊँचाई पर हिमालयी शृंखला में सेव का फसल प्रभावित हुआ है। बेहतर गुणवत्ता वाले सेव की पैदावार के लिये वर्ष में 1000 से 1600 घंटों की ठंडक होनी चाहिए। लेकिन इन क्षेत्रों में बढ़ते तापमान और मौसम के अनियमित मिजाज के कारण सेव उत्पादन अब और अधिक ऊँचाई वाले इलाकों की ओर खिसक रहा है। वे बताते हैं कि हिमाचल के कुल्लू क्षेत्र में ठंड के घंटों में 6.385 यूनिट प्रतिवर्ष की दर से गिरावट पाई जा रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार वातावरण में मौजूद ग्रीनहाउस गैसें लौटने वाली अतिरिक्त उष्मा को सोख लेती हैं, जिससे धरती का तापमान बढ़ रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 21वीं सदी के बीतते-बीतते पृथ्वी के औसत तापमान में 1.1 से 6.4 डिग्री सेंटीग्रेड की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। हिन्द महासागर के आसपास यह वृद्धि 2 डिग्री तक होगी, जबकि हिमालयी क्षेत्रों में पारा 4 डिग्री तक चढ़ जाएगा। ऐसे में ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे। सूखा, अतिवृष्टि, चक्रवात और समुद्री हलचलों को वैज्ञानिक तापमान वृद्धि का नतीजा बता रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार एशिया महाद्वीप इसलिये सर्वाधिक प्रभावित हो रहा है कि इस महाद्वीप में तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है।

पहचाने अपने अंदर छिपे हुनर को

हर किसी के अंदर टैलेंट होता है। यह टैलेंट हर व्यक्ति के अंदर एक कुदरती देन होती है जिसे पहचान लिया जाए तो वो इस दुनिया में अपना परचम लहराता है और अगर छोड़ दिया जाए तो वो रोज की जद्दोजहद में ही अपनी जिंदगी गुजार देता है। आप में क्या टैलेंट हैं इसका पता लगाना बहुत जरूरी है इसलिए हम आपके लिए लाए हैं वो काम के टिप्स जिनकी मदद से आप खुद की असली पहचान समझ सकते हैं। **अपना आकलन करें :** ऐसे बहुत से एसेसमेंट टूल हैं जिससे आप अपनी पर्सनेलिटी के बारे में पता लगा सकते हैं। आप में क्या कमियां हैं, आपका क्या इंट्रेस्ट है, आप किस चीज में माहिर हैं आदि। **अपना दिमाग खोलें :** क्योंकि आपको पता नहीं है कि आपका छिपा हुआ टैलेंट क्या है तो ऐसे में अपने दिमाग को खोल कर रखें। हर संभावनाओं और ऑपरच्यूनिटी की तरफ सचेत रहें न जाने कब आपको खुद को परखने और निखारने का मौका मिल जाए। **आपकी मजबूती क्या है :** आप जो चीजें रोज करते हैं, पढ़ते हैं और जो सोचते हैं उसके बारे में लिखें। हर उस चीज के बारे में लिखें जो आपको एनर्जी देती है, आपको ताकत देती है। अपने हर थोट पर गहरी नजर और पकड़ बनाएं। **दूसरों को सुनें :** आपके आसपास मौजूद लोगों को पता होता है कि आपके अंदर आखिर क्या खूबी है। आप लोगों से अपनी गलत चीजों का बारे में जानकारी लें वो अपने आप आपको आपकी खूबियां भी बात देंगे। साथ ही आप किन चीजों में माहिर हैं इस पर भी अपनी राय देंगे। **अपने टैलेंट को मौका दें :** आपको लगता है कि इस चीज में आप माहिर हैं तो उस पर काम करें और खुद को तराशने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि आप काफी अच्छा कर रहे हैं तो उसे और भी अच्छा करने की कोशिश करें। इसके लिए आप यूट्यूब में वीडियो देखें, इंटरनेट पर रिसर्च वर्क करें आदि। **अपनी जिंदगी की कहानी लिखें :** रोजाना अपने बारे में कुछ न कुछ लिखें। आपकी यह एक्सरसाइज आपको इस बात का एहसास दिलाएगी कि समय के साथ आप कितना बदले और आपने अपने टैलेंट का क्या आकार दिया।

कामयाबी के लिए जरुरी है आत्मविश्वास

कामयाब करियर या कामयाब जीवन हम सब की चाहत है। आत्मविश्वास एक ऐसा टूल है जिसके बिना कामयाबी की सीढ़ी नहीं चढ़ी जा सकती। आत्म विश्वास ही हमें लीक से हटकर फैसले लेने में मदद करता है। जो हमारे करियर की राह में मील का पत्थर साबित हो जाते है। कठिन परिस्थितियों में जब बहुत से लोग फ़ैल होने के डर से अपने कदम पीछे खिंच लेते है , उन परिस्थितियों में आत्मविश्वास और साहस से लिए गए फैसले ही हमें जीत दिलाते है। आत्मविश्वास ही वो शक्ति है , जो लगातार होती हार या विपरीत हालत की निराशाओं को आशा में तब्दील करने की शक्ति रखता है। जानिए ये टिप्स जो आपमें आत्मविश्वाश जगाने में सहायक सिद्ध होंगे।

1. संभावनाओं को खोजें और बनें प्रगतिशीलः जिंदगी सम्भावनाओ से भरी पड़ी है , अनुभवी लोगो में एक सबसे बड़ी समस्या ये है कि वो जहा अपने अनुभव से ज्ञान प्राप्त करते है वहीँ वो एक अवधारणा बना लेतें है जिसमे वो कुछ बातों को लेकर एक निजी राय बना लेते है। कंफर्ट जोन के खोल से बाहर निकालिये , चुनौतियों को स्वीकार कीजिये , नए तरीके और पुराने तरीके सब अपनाये , हम अक्सर अनुभव से कुछ काम के तरीको को बेकार सिद्ध कर देते है , पर आप सभी ऑप्शन खुले रखिये , आराम हराम है। लोग आराम से अपना करने में विश्वास रखते है। ज्यादा बदलाव उन्हें पसंद नहीं होते ,ऐसे व्यक्ति को अगर कोई नया काम सौंप दिया जाए तो वे घबरा जाते हैं और करने से मना कर देते हैं। इसलिए हमेशा चुनौतियां को स्वीकार करना सीखें और आगे बढ़ें। जैसे ही आप कुछ नया करना शुरू करेंगे आपके अंदर आत्मविश्वास दिखने लगेगा। **2. निर्णयात्मक बनें और फटाफट लें फैसलेः** जिन लोगों के निर्णय लटके रहते है वो अपने जीवन में भी लटके रहते है। फैसले लेने में ज्यादा देर न करें भाग-दौड़ भरी जिंदगी में अब सोचने समझने के लिए बहुत कम मौके मिलते हैं। इसलिए जल्द से जल्द सही फैसले लेने की क्षमता विकसित करें। कभी कभी जल्दबाजी के फैसले में गलतियां हो जाती है , घबराएं नहीं , अपने बुरे फैसले को अपने हक़ में लाने के लिए प्रयास करें , जब आप गंभीर फैसले लेने लगेंगे तो वहीं से आप में आत्मविश्वास आना भी शुरू हो जाएगा। **3. कामयाब लोगो की संगति में रहेंः** हमारा सोशल सर्किल हमारे विचारों को दिशा देता है। अगर हम कामयाब लोगो की संगति में है तो हमारी बातें भी उसी तरह की होंगी। और अगर आपने ऐसे लोगों को अपना दोस्त बनाया हुआ है जिनमें आत्मविश्वास नहीं हैं और वो अपने जीवन में नाकामयाब है , तो ऐसे दोस्तों से दूर रहना ज्यादा बेहतर है। दूर रहनें से मेरा मतलब इग्नोर करनें से नहीं ,बल्कि उनके विचारों को अपनी सोच में शामिल मत कीजिये , ऐसे लोगों से मिलना शुरू करें जो आपको अपने कामों से प्रभावित करने वाले हों। **4 .अपने बारे में सोचिये और शक्तियों को पहचानियेः** आपने ये सुना होगा , हम सब की शक्तियां सिमित है ,पर मेरा मानना इसके बिलकुल उलट है , हमारी शक्तिया असीमित है , बस जरुरत है उन्हें पहचानने ,कुछ लोग समस्या का हिस्सा बन जाते है कुछ समाधान का ,आपको समाधान का हिस्सा बनना है । मुसीबतों मुश्किलों का हवाला देने वाले तो बहुत लोग होते है, पर उनसे लड़कर जितने वाले बिरले ही होते है । उन बिरले लोगों में शामिल होइए। अपनी शक्तियों का विकास कीजिये , आपका आत्मविश्वास खुद ब खुद ऊपर उठ जायेगा **5.स्वयं के लिए समय निकले और खुद पर काम करेंः** हमें फिजूल की चर्चाओं में पड़ कर स्वयं के लिए समय निकलना चाहिए स्वयं से बात करनी चाहिए पूरी ईमानदारी के साथ , हम अक्सर खुद से बात करते वक्त बेईमान हो जाते है।

क्यों बिखर रहे हैं संयुक्त परिवार

सच है कि आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकल परिवार भी तनाव में जी रहे हैं। बदलते परिवेश में पारिवारिक सौहार्द का ग्राफ नीचे गिर रहा है, जो एक गंभीर समस्या है सच है कि आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकल परिवार भी तनाव में जी रहे हैं। बदलते परिवेश में पारिवारिक सौहार्द का ग्राफ नीचे गिर रहा है, जो एक गंभीर समस्या है। परिवार से पृथकता तक तो ठीक है, किंतु उसके मूल आधार स्नेह में भी खटास पड़ जाती है। स्नेह सूत्र से विच्छिन्न परिवार, फिर 'घर' के दिव्य भाव को नहीं जी पाता क्योंकि तब उसकी दशा 'परिवार के सदस्यों की परस्पर अजनबी समूह' जैसी हो जाती है। समस्या आदिकाल से है, किंतु वह अब तक इसलिए है क्योंकि अधिकांश परिवारों ने समाधान के अति सरल उपायों पर विचार ही नहीं किया या फिर यों कहें कि अपनी रूढ़िवादिता की झोंक में विचार करना पसंद ही नहीं किया। मेरे विचार से, स्नेह, सम्मान और स्वतंत्रता की सूत्रत्रयी ही समाधान का मूल है। यदि तीनों का परस्पर अंतर्संबंध समझकर उसे आचरण में उतार लें, तो घर को 'स्वर्ग' बनते देर नहीं लगेगी। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने 1994 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष घोषित किया था। समूचे संसार में लोगों के बीच परिवार की अहमियत बताने के लिए हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाने लगा है। 1995 से यह सिलसिला जारी है। परिवार की महत्ता समझाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्पष्ट है कि किसी भी समाज का केंद्र परिवार ही होता है। परिवार ही हर उम्र के लोगों को सुकून पहुँचाता है। दरअसल सही अर्थों में परिवार वह संरचना है, जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन, सुख-दुःख की साझेदारी, सबमें सबके होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का अवकाश है, अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली में जीता है। वृद्धत्व जीए गये अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसे परिवार रूपी परिवेश सुखी जीवन का स्रोत प्रवहमान रहता आया है। लेकिन आज इस परिवार की संरचना में आंच आयी हुई है। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ है। विश्वास संदेह में उतर रहा है। कोई किसी को सहने और समझने की कोशिश नहीं कर रहा है। इन स्थितियों पर नियंत्रण की दृष्टि विश्व परिवार दिवस मनाये जाने की प्रासंगिकता आज अधिक सामने आ रही है। परिवार सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है। प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य रहा है या फिर है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। भारत की संस्कृति और सभ्यता कितने ही परिवर्तनों को स्वीकार करके अपने को परिष्कृत कर ले, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि अनुभव करते हैं। बावजूद इसके क्यों परिवार बिखर रहे हैं, परिवार संस्था के अस्तित्व पर क्यों धुंधलके छा रहे हैं- इस तरह के प्रश्न समाधान चाहते हैं। सच है कि आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकल परिवार भी तनाव में जी रहे हैं। बदलते परिवेश में पारिवारिक सौहार्द का ग्राफ नीचे गिर रहा है, जो एक गंभीर समस्या है। परिवार से पृथकता तक तो ठीक है, किंतु उसके मूल आधार स्नेह में भी खटास पड़ जाती है। स्नेह सूत्र से विच्छिन्न परिवार, फिर 'घर' के दिव्य भाव को नहीं जी पाता क्योंकि तब उसकी दशा 'परिवार के सदस्यों की परस्पर अजनबी समूह' जैसी हो जाती है। समस्या आदिकाल से है, किंतु वह अब तक इसलिए है क्योंकि अधिकांश परिवारों ने समाधान के अति सरल उपायों पर विचार ही नहीं किया या फिर यों कहें कि अपनी रूढ़िवादिता की झोंक में विचार करना पसंद ही नहीं किया। मेरे विचार से, स्नेह, सम्मान और स्वतंत्रता की सूत्रत्रयी ही समाधान का मूल है। यदि तीनों का परस्पर अंतर्संबंध समझकर उसे आचरण में उतार लें, तो घर को 'स्वर्ग' बनते देर नहीं लगेगी। दुनिया भर की धन दौलत व्यक्ति को वह सुकून नहीं दे सकती, जो स्नेह और सम्मान का मधुर भाव देता है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से यह विचारें कि पारिवारिक सुख शांति अधिक महत्वपूर्ण है अथवा रूढ़िवादिता या आधुनिकता? बंधी बंधाई लीक पर चलकर कोई उपलब्धि भी हासिल न हो बल्कि जो कुछ अच्छा था, वह भी छूटता जाए तो फिर ऐसा नियम पालन किस काम का? साड़ी और सिर पर पल्लू की अनिवार्यता, पति समेत घर के सभी सदस्यों से पहले भोजन न करने की कड़ाई, सास ससुर से हास-परिहास न करने की कूपमण्डूपता, ननद देवर के छोटे-छोटे बच्चों को जी और आप कहने की औपचारिकता, पति के साथ भ्रमण व मनोरंजन न करने और महत्वपूर्ण व्यक्तिगत व पारिवारिक फैसलों में भागीदारी न होने की कथित संस्कारशीलता से आज तक कौनसा परिवार कोई ऐसी महान उपलब्धि हासिल कर पाया है, जिससे उपर्युक्त आचरण की सार्थकता सिद्ध होकर उसका नाम इतिहास के स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया हो? सच तो यह है कि ऐसे परिवार, जहां की आधा प्रतिशत जनसंख्या ऐसे घुटन भरे माहौल में जीती है, उपलब्धि की दृष्टि से औसत और पारस्परिक संबंधों की दृष्टि से यांत्रिक बनकर रह जाते हैं। जिस प्रकार आयुर्वेद में नीरोगी काया के लिए वात, पित्त और कफ का संतुलन अनिवार्य बताया गया है, उसी प्रकार पारिवारिक सुख और शांति के लिए स्नेह, सम्मान और स्वतंत्रता का संतुलन जरूरी है। 'जैसा बोया, वैसा काटोगे' के सर्वकाल सत्य के आधार पर कहा जा सकता है कि जो भाव और व्यवहार हमारा दूसरों के प्रति होगा, वही हमें भी प्रतिफल में मिलेगा। तभी 'सुख' अपनी पूर्णता को प्राप्त करेगा और तब आपका घर ऐसे अटल सुख, मंगल व शांति से भर उठेगा, जिसकी सुगंध से आपके मन प्राण ही नहीं, आत्मा भी तृप्त होगी और आत्मा की तृप्ति ही तो समस्त तृप्तियों का मूल है। सुखद पारिवारिक जीवन के लिये संस्कार और सहिष्णुता भी जरूरी है। जिनके पास संस्कारों की सृजना होती है, उनके लिए वे संस्कार आलम्बन बन जाते हैं और व्यक्ति और परिवार संभल जाते है। गृहस्थ समाज में सुखी गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए सहिष्णुता की बहुत जरूरत है, अपेक्षा है, जिसकी आज बहुत कमी होती जा रही है। सहन करना जानते ही नहीं हैं। पत्नी हो, मां-बेटे, मां-बेटी, भाई-भाई, भाई-बहन, सास-बहू, गुरु-शिष्य कहने का अर्थ है कि प्रायः सभी में सहिष्णुता की शक्ति में कमी हो रही है। एक व्यक्ति अपने भाई को सहन नहीं करता, माता-पिता को सहन नहीं करता और पड़ोसी को सहन कर लेता है, अपने मित्र को सहन कर लेता है। यह प्रकृति की विचित्रता है। सहन करना अच्छी बात है। लेकिन घर में भी एक सीमा तक एक-दूसरे को सहन करना चाहिए, तभी छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव व नित्य झगड़े नहीं होंगे। इन्सान की पहचान उसके संस्कारों से बनती है। संस्कार उसके समूचे जीवन को व्याख्यायित करते हैं। संस्कार हमारी जीवनी शक्ति है, यह एक निरंतर जलने वाली ऐसी दीपशिखा है जो जीवन के अंधेरे मोड़ों पर भी प्रकाश की किरणें बिछा देती है। उच्च संस्कार ही मानव को महामानव बनाते हैं। सदसंस्कार उत्कृष्ट अमूल्य सम्पदा है जिसके आगे संसार की धन दौलत का कुछ भी मौल नहीं है। सदसंस्कार मनुष्य की अमूल्य धरोहर है, मनुष्य के पास यही एक ऐसा धन है जो व्यक्ति को इज्जत से जीना सिखाता है और यही सुखी परिवार का आधार है। वास्तव में बच्चे तो कच्चे घड़े के समान होते हैं उन्हें आप जैसे आकार में ढालेंगे वे उसी आकार में ढल जाएंगे। मां के उच्च संस्कार बच्चों के संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि सबसे पहले परिवार संस्कारवान बने, माता-पिता संस्कारवान बने, तभी बच्चे संस्कारवान चरित्रवान बनकर घर की, परिवार की प्रतिष्ठा को बढ़ा सकेंगे। अगर बच्चे सत्पथ से भटक जाएंगे तो उनका जीवन अंधकार के उस गहन गर्त में चला जाएगा जहां से पुनः निकलना बहुत मुश्किल हो जाएगा। प्रख्यात साहित्यकार जैनेन्द्रजी ने इतस्तत में कहा है, परिवार मर्यादाओं से बनता है। परस्पर कर्त्तव्य होते हैं, अनुशासन होता है और उस नियत परम्परा में कुछ जनों की इकाई हित के आसपास जुटकर व्यूह में चलती है। उस इकाई के प्रति हर सदस्य अपना आत्मदान करता है, इज्जत खानदान की होती है। हर एक उससे लाभ लेता है और अपना त्याग देता है। आज की भोगवादी संस्कृति ने उपभोक्तावाद को जिस तरह से बढ़ावा दिया है उससे बाहरी चमक-दमक से ही आदमी को पहचाना जाता है। यह बड़ा भयानक है। उससे ही अपसांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है और ये ही स्थितियां पारिवारिक बिखराव का बड़ा कारण बन रही है। वही आदमी श्रेष्ठ है जो संस्कृति को शालीन बनाये। उसी से कल्याणकारी मानव संस्कृति का निर्माण हो सकता है। भारत को आज सांस्कृतिक क्रांति का इंतजार है। यह कार्य सरकार तंत्र पर नहीं छोड़ा जा सकता है। सही शिक्षा और सही संस्कारों के निर्माण के द्वारा ही परिवार, समाज और राष्ट्र को वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र बनाया जा सकता है ।

किसी और का कचरा लेकर उसे सोना बना देता है एमएस धोनी : मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर मैथ्यू हेडन का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी एक जादूगर है जो किसी और के कचरे को सोने में बदल देता है और चेन्नई सुपर किंग्स की कामयाबी में उसका इतना योगदान है कि बतौर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ उसके भविष्य की बातें लगभग अप्रासंगिक है। धोनी की कप्तानी में सीएसके दसवीं बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। टूर्नामेंट की शुरूआत में टीम की गेंदबाजी कमजोर थी लेकिन धोनी ने उसी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा लिया। बल्लेबाजी में भी अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे का जिस तरह से इस्तेमाल किया गया, उसकी हर जगह तारीफ हो रही है। टूर्नामेंट में धोनी घुटने की चोट के साथ खेले हैं। उन्होंने बतौर खिलाड़ी अपने भविष्य पर फैसला लेने के लिये खुद को आठ नौ महीने का समय दिया है। हेडन का हालांकि मानना है कि वह अगले आईपीएल में नहीं खेलेगा। हेडन ने पीटीआई से कहा ,'' एम एस एक जादूगर है। वह किसी और का कचरा लेकर उसे सोने में बदल देता है। वह काफी कुशल और सकारात्मक कप्तान है। उसने बहुत

रोचक बात कही है जो उसकी विनम्रता दर्शाती है। तमिलनाडु क्रिकेट संघ और उसकी टीम के बीच तालमेल कितना मजबूत है और टीम को मजबूत बनाने की प्रक्रिया की कड़ी भी है। हर लक्ष्य को पाने के लिये एक प्रक्रिया होती है और उसने पहले भारतीय टीम के साथ और अब सीएसके के साथ यह करके दिखाया।'' उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ टेक्नॉलॉमी सिडनी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा ,'' वह अगले साल खेलेगा या नहीं , यह अब अप्रासंगिक है।मुझे लगता है कि वह नहीं खेलेगा लेकिन वह एम एस धोनी है।'' हेडन ने यह भी कहा कि दुनिया भर में टी20 क्रिकेट के बढते चलन से खिलाड़ियों के लिये तीनों प्रारूपों में खेलना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा ,'' तीनों प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों का समय खत्म होने वाला है। टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर काफी उत्साह है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप उसका उदाहरण है। इसके अलावा देखें तो काफी टी20 क्रिकेट हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिये राष्ट्रीय अनुबंध छोड़ने वाले खिलाड़ियों को दोष नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा ,'' यह तय है कि कल बच्चे क्रिकेट खेलना चाहेंगे तो फ्रेंचाइजी क्रिकेट ही खेलेंगे। उन्होंने देखा है कि कमजोर तबके के कई खिलाड़ी , खासकर वेस्टइंडीज के क्रिकेटर कितने सक्रिय हैं। मिसाल के तौर पर निकोलस पूरन क्या टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहेगा। उससे पहले ड्वेन ब्रावो ने टेस्ट क्रिकेट खेला लेकिन ज्यादातर दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेला है।

एशिया कप 2023: पाकिस्तान को लगा जोर का झटका, बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल को किया खारिज

नई दिल्ली। एशिया कप 2023 को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बरकरार है। हालांकि पिछले दिनों खबर आई थी कि बीसीसीआई ने पाकिस्तान के हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दे दी है। लेकिन अब विश्वस्त सूत्रों का दावा है कि बीसीसीआई ने पीसीबी की ओर से पेश हाइब्रिड मॉडल को मानने से साफ तौर पर इंकार कर दिया है। बीसीसीआई साफ तौर पर चाहता है कि एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान में ना होकर किसी न्यूट्रल वेन्यू पर हो। बताया जा रहा है कि आईपीएल फाइनल के एक दिन बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह भारत आने वाले दूसरे देश के बोर्ड अधिकारियों से बैठक के बाद इस पर निर्णय ले सकते हैं। जय शाह एसीसी के भी अध्यक्ष हैं।

आईपीएल फाइनल में बीसीसीआई की ओर से बांग्लादेश अफगानिस्तान और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को न्योता दिया गया है। जानकारी के मुताबिक के इन देशों के क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि आईपीएल फाइनल देखने के लिए अहमदाबाद पहुंचने वाले हैं। दरअसल, एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। लेकिन भारत ने साफ तौर पर कह दिया है कि उसकी टीम पाकिस्तान का सुरक्षा कारणों से दौरा नहीं करेगी। उसके बाद

से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी और बढ़ गई। हालांकि, श्रीलंका और बांग्लादेश ने भी भारत के बातों का समर्थन किया। इसी के बाद पाकिस्तान की मेजबानी पर संकट लगातार बरकरार है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से एक हाइब्रिड मॉडल पेश किया गया था। हाइब्रिड मॉडल के तहत भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले किसी अन्य देश में खेले जाएंगे जबकि बाकी देशों के मुकाबले पाकिस्तान में होंगे। इसको लेकर दावा किया गया था कि बीसीसीआई की ओर से सहमति दे दी गई है। लेकिन अब बीसीसीआई ने साफ तौर पर इस को खारिज कर दिया है। खबर यह भी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच श्रीलंका में खेला जा सकता है हालांकि पीसीबी यह मैच दुबई में करवाना चाहता है।

आईपीएल 2023 के फाइनल मुकाबले में इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर, टीम को जिताने के लिए निभानी होगी बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के नया विजेता रविवार की शाम को चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले मुकाबले के बाद मिल जाएगा। इस

मुकाबले में चार बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स को सफलता मिलेगी या लगातार दो बार फाइनल जीतकर गुजरात टाइटंस की टीम इतिहास रचेगी ये साफ हो जाएगा।

दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच ओपनिंग मैच भी इसी स्टेडियम में खेला गया था। बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले ही क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल कर फाइनल में जगह पक्की कर ली थी। वहीं गुजरात टाइटंस ने क्वालीफायर 2 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनपर पूरे मुकाबले के दौरान नजर रहेगी। गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे है। शुभमन गिल का बल्ला पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त तरीके से बोला है। वर्तमान में शुभमन गिल के पास ही ऑरेंज कैप भी है। वहीं क्वालीफायर 2 में भी उन्होंने 129 रनों की विजयी पारी खेली थी जिसकी बदौलत 62 रनों से मुंबई इंडियंस को मात देकर गुजरात ने फाइनल में जगह बनाई थी। टूर्नामेंट में शुभमन तीन शतक जड़ चुके है। गुजरात के स्पीनर राशिद खान ने भी गेंदबाजी में अपना दम दिखाया है। वो गेंद के साथ साथ बल्लेबाजी में भी अपना जौहर दिखा चुके है। मुश्किल समय में टीम को ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनके लिए काफी आसान है। इस सीजन में राशिद खान ने 16 मुकाबलों में कुल 27 विकेट झटके है। राशिद खान टूर्नामेंट में पर्पल कैप के भी दावेदार है और दूसरे पायदान पर है।

चेन्नई सुपर किंग्स के ओपनर बल्लेबाज ड्वेन कॉन्वे ने पूरे सीजन में दमदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 15 मुकाबलों में खेलते हुए 625 रन बनाए है। हालांकि ऑरेंज कैप की रेस में वो पांचवे पायदान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज मथीशा पथिराना भी ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैच का रुख बदलने का दम रखते है। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान बेहद शानदार गेंजबादी की है। डेथ ओवर्स में मथीशा की गेंदबाजी खास तौर से चैलेंजिंग होती है जिसके सामने बड़े से बड़े खिलाड़ी घुटने टेक देते है। मथीशा पथिराना ने 11 मैचों में 17 विकेट अपने नाम किए है। चेन्नई सुपर किंग्स के ही बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने 15 मुकाबलों में 564 रन बनाए है। बल्लेबाजी के लिहाज से उनके लिए ये सीजन शानदार रहा है। वो सर्वाधिक रन बनाने वालों की लिस्ट में सातवें पायदान पर है।

सूर्यकुमार के सामने प्रयोग नहीं करना चाहता था : मोहित

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के गेंदबाज मोहित शर्मा ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के सामने प्रयोग नहीं करने की उनकी रणनीति मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में कारगर साबित हुई। गुजरात टाइटंस ने दूसरे क्वालीफायर में पांच बार की चैम्पियन मुंबई को 62 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मोहित ने 2 . 2 ओवर में 10 रन देकर पांच विकेट लिये। मोहित ने मैच के बाद कहा ,'' मैं खुशकिस्मत हूं कि पांच विकेट मिले। बाद में गेंद फिसल रही थी और सूर्य और तिलक के क्रीज पर रहते लग रहा था कि मैच निकल जायेगा।'' तिलक वर्मा ने 14 गेंद में 43 और सूर्यकुमार ने 38 गेंद में 61 रन बनाये लेकिन उनके आउट होने के बाद मुंबई की टीम 18 . 2 ओवर में 171 रन पर आउट हो गई। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2014 में परपल कैप ले चुके मोहित ने कमर की चोट से उबरने के बाद टाइटंस के साथ अपने कैरियर की दूसरी पारी का आगाज किया। वह 2021 और 2022 में आईपीएल अनुबंध नहीं ले सके थे। उन्होंने कल सूर्यकुमार का अहम विकेट लेकर मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने कहा ,'' मैंने सोचा था कि उसके सामने ज्यादा प्रयोग नहीं करूंगा।

यह पारी बरसों तक याद रहेगी, पूर्व क्रिकेटरों ने की गिल की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' गिल की यह पारी बरसों तक याद रहेगी। इसमें उन्होंने मुंबई के प्रमुख गेंदबाजों को निशाना बनाकर विरोधी कप्तान रोहित शर्मा को रणनीति बदलने के लिये मजबूर किया।'' उन्होंने कहा ,'' इस तरह की लाजवाब पारियों में गिल ने अपना स्ट्राइक रेट अच्छा रहा और टीम को दबाव से मुक्त भी रखा।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में 60 गेंद में 129 रन बनाने वाले शुभमन गिल की पूर्व क्रिकेटरों ने जमकर तारीफ की है और महान बल्लेबाज

'शुभमन गिल का अनुशासन उसे सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक बनाता है'

नई दिल्ली। पावरप्ले के ओवरों में स्ट्रोक्स के लिये जगह तलाशने की शुभमन गिल की काबिलियत की तारीफ करते हुए गुजरात टाइटंस के हरफनमौला विजय शंकर ने कहा कि उसका अनुशासन उसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक बनाता है। गिल ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में तीन शतक समेत 851 रन बनाकर 'आरेंज कैप' हासिल कर ली है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में 60 गेंदों में 129 रन बनाकर टीम को 62 रन से जीत दिलाई। शंकर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' उसका अनुशासन गजब का है और यही वजह है कि वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से है। उन्होंने कहा ,'' वह जिस तरह से अभ्यास करता है, वह काफी महत्वपूर्ण है। हर अभ्यास सत्र का उसके लिये एक लक्ष्य होता है। उसे बल्लेबाजी करते देखने में बहुत आनंद आता है।'' शंकर ने कहा ,'' वह छक्के भी जड़ता है और पावरप्ले में फील्डर के बीच जगह भी तलाश लेता है जो उसकी सबसे बड़ी ताकत है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एक पारी में उसने 101 गेंद में 90 रन बनाये जिसमें सिर्फ एक छक्का था। यानी वह दोनों तरह से बल्लेबाजी कर सकता है जो एक उम्दा क्रिकेटर की निशानी है।

सुनील गावस्कर ने कहा है कि टी20 प्रारूप में विशुद्ध क्रिकेटिया शॉट्स खेलने की गिल की काबिलियत के कारण यह पारी याद रखी जायेगी। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' गिल की यह पारी बरसों तक याद रहेगी। इसमें उन्होंने मुंबई के प्रमुख गेंदबाजों को निशाना बनाकर विरोधी कप्तान रोहित शर्मा को रणनीति बदलने के लिये मजबूर किया।'' उन्होंने कहा ,'' इस तरह की लाजवाब पारियों में गिल ने अपना स्ट्राइक रेट अच्छा रहा और टीम को दबाव से मुक्त भी रखा।

इसके अलावा यह पारी इसलिये भी याद रखी जायेगी क्योंकि उसने टी20 प्रारूप में पारंपरिक क्रिकेट शॉट्स खेले।'' भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा ,'' शुभमन गिल की बल्लेबाजी ने एक बात साबित कर दी कि अगर आपके बेसिक्स सही हो, सोच साफ हो तो रन खुद ब खुद बनेंगे। विराट कोहली और गिल ने साबित कर दिया कि रन बनाने के लिये लप्पे लगाने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा ,'' ये दोनों अलग अलग पीढ़ी के बल्लेबाज हैं लेकिन दोनों के बल्लों से रन खूब निकले हैं। यह साफ सोच और बेसिक्स सही रखने से ही होता है।''

पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा ,'' बरसों बाद जब आप मुड़कर देखोगे तो यह पारी याद रहेगी। आईपीएल क्वालीफायर मैचों के इतिहास में यह पारी यादगार हो गई है।'' भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा ,' इतने बड़े मैच में हाव भाव काफी अहम है। वह इतने इत्मीनान से खेला। उसका आत्मविश्वास गजब का था। पिछले साल हमने जोस बटलर को देखा , इस साल विराट कोहली को भी देखा। बड़े मैचों में वह विराट, रोहित और धोनी की तरह खेलेगा।''

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने ट्वीट किया ,'' रनगति तेज करने की उसकी क्षमता और निरंतरता लाजवाब है। उसने ज्यादातर मैच अहमदाबाद जैसे बड़े मैदान पर खेले हैं। शानदार प्रदर्शन।'' पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट किया ,'' क्या खिलाड़ी है। चार मैचों में तीसरा शतक और कुछ बेहतरीन स्ट्रोक्स। गजब की निरंतरता और रनों की भूख।

मैदान में उतरते ही इतिहास रचेगी धोनी और हार्दिक पांड्या ब्रिगेड

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग कै 16वें सीजन का विजेता अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7.30 बजे शुरू होने वाले मुकाबले के बाद मिल जाएगा। लगभग दो महीने तक चले आईपीएल के सीजन के विजेता का फैसला शाम को होगा। खिताबी मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिलेगी।

इस सीजन में 15 रनों से पहला क्वालिफायर जीतकर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स ने सबसे पहले फाइनल का टिकट कटवाया था। वहीं गुजरात को पहले क्वालीफायर में हार का सामने करने के बाद मुंबई इंडियंस से भिड़ना पड़ां जहां शुभमन गिल की शानदार पारी की बदौलत गुजरात 62 रनों के बड़े अंतर से मैच जीतने में सफल हुई। इस फाइनल मुकाबले में खास संयोग और रिकॉर्ड भी बन रहा है, जो इससे पहले तक आईपीएल में कभी नहीं हुआ है। आईपीएल के अब तक 15 सीजन खेले जा चुके है मगर अब तक कभी ऐसा संयोग नहीं हुआ कि जिन दो टीमों ने ओपनिंग मुकाबले खेले हों उन्होंने

ही फाइनल मुकाबले में भी आमना सामना किया हो। आईपीएल के इतिहास में पहली बार है जब गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच ही पहला मुकाबला 31 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था और अंतिम मुकाबला भी उसी स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच खेला जा रहा है। बता दें कि ओपनिंग मुकाबले में गुजरात को 5 विकेट से जीत मिली थी। इसके बाद दोनों का मुकाबला क्वालीफायर में हुआ था जहां चेन्नई ने 15 रन से जीत हासिल की थी।

बता दें कि अब तक सर्वाधिक बार चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम बनी है, जिसने कुल पांच बार खिताब अपने नाम किया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2013 में पहली बार खिताब हासिल किया था। इसके बाद टीम 2015, 2017, 2019 और 2020 में चैंपियन बन चुकी है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में चार बार आईपीएल चैंपियन बनने में सफलता पाई है। चेन्नई सुपर किंग्स 2010, 2011, 2018 और 2021 में विजेता बन चुकी है। बता दें कि ये 10वीं बार है जब चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में जगह बनाई है। वहीं गुजरात टाइटंस पिछले सीजन में ही आईपीएल के साथ जुड़ी है और अपने पहले सीजन की विजेता बनी थी। गुजरात टाइटंस डिफेंडिंग चैंपियन है।

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल फाइनल के लिए बेहतर तैयार : फ्लेमिंग

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के लिए पूर्व की तुलना में बेहतर तैयार है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम किसी भी परिस्थिति में खेलने के लिए तैयार रहेगी तथा अतीत में उन्होंने परिस्थितियों और पिचों का आकलन करने में गलती की थी। रविवार को फाइनल के दिन बारिश की संभावना जताई गई है। फ्लेमिंग ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा,'' हमने चेन्नई के लिए खुद कोइतनी अच्छी तरह से तैयार किया कि कुछ अवसरों पर हमें विरोधी टीम के मैदानों पर जूझना पड़ा। इसलिए फाइनल में थोड़ी चुनौती होगी लेकिन फाइनल में जीत दर्ज करने का हमारा रिकॉर्ड 50 प्रतिशत है।'' उन्होंने कहा,'' हमें फाइनल में किस तरह की परिस्थितियां मिलेंगी हम इसको

लेकर चिंतित नहीं हैं। दो पिच में से किसी एक का चयन किया जाएगा लेकिन हम चिंतित नहीं हैं। हम अतीत की तुलना में इस बार फाइनल के लिए बेहतर तैयार हैं।'' इस बीच गुजरात टाइटंस के टीम निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों की अच्छी समझ होने से उनकी टीम को फायदा मिलेगा। सोलंकी ने कहा,'' हमने यहां कई मैच खेले हैं और इस मामले में हम निश्चित तौर पर बेहतर स्थिति में है। हमने पिछले साल यहां फाइनल खेला था और बड़े मैचों में सफल रहे हैं।

प्रणय मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में, सिंधु हारी

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय मलेशिया मास्टर्स में पुरूष एकल फाइनल में पहुंच गए जब उनके प्रतिद्वंद्वी इंडोनेशिया के क्रिस्टियन एडिनाटा ने घुटने में चोट लगने के कारण सेमीफाइनल मैच छोड़ दिया। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय उस समय 19 . 17 से आगे चल रहे थे जब एडिनाटा को चोट लगी। विश्व जूनियर चैम्पियनशिप 2019 विजेता एडिनाटा को प्रणय और इंडोनेशियाई कोच ने संभाला। इसके बाद उन्हें कोर्ट से बाहर ले जाया गया। प्रणय का सामना अब चीन के वेंग होंग यांग और चीनी ताइपै के लिन चुन यि के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। यह इस सत्र में उनका पहला फाइनल होगा और पिछले साल स्विस ओपन फाइनल हारने के बाद से दूसरा फाइनल है।

वहीं दो बार की ओलंपिक पदक

विजेता पी वी सिंधू सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मरिस्का टी से 14 . 21, 17 . 21 से हारकर बाहर हो गई। ग्रेगोरिया के खिलाफ सात मैच जीतने के बाद सिंधू की यह लगातार दूसरी हार थी। प्रणय ने अपने मैच में शानदार शुरूआत करके 11 . 1 की बढत बना ली। ब्रेक के बाद एडिनाटा ने अगले नौ में से सात अंक बनाये। प्रणय ने क्रॉसकोर्ट पर स्मैश लगाकर आत्मविश्वास वापिस हासिल किया लेकिन सहज गलतियों और एडिनाटा के शानदार खेल के दम पर स्कोर 10 . 14 हो गया। क समय स्कोर 16 . 16 था लेकिन प्रणय ने जल्दी ही 19 . 17 की बढत बना ली। एडिनाटा को चोट लगने से मुकाबला खत्म हो गया। दूसरे मैच में सिंधू आक्रामक खेल नहीं दिखा सकी और ग्रेगोरिया के शानदार डिफेंस का उनके पास कोई जवाब नहीं था। कोच विधि चौधरी उनका हौसला बढाती रही लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। ग्रेगोरिया लगातार उन पर दबाव बनाती रही।

आईपीएल में दमदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल हुए टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन ने क्रिकेट की दुनिया को कई शानदार खिलाड़ी दिए है। इसी में राजस्थान रॉयल्स की टीम के यशस्वी जायसवाल का नाम भी शामिल है। आईपीएल 2023 के पूरे टूर्नामेंट के दौरान यशस्वी ने शानदार खेल दिखाया और शतक ठोका वहीं एक पारी में नाबाद 98 रन भी बनाए। यशस्वी जायवाल की शानदार पारियों के बाद उन्हें भारतीय टीम में मौका दिए जाने की काफी चर्चा और मांग होने लगी थी। पूर्व खिलाड़ी और कोच रवि शास्त्री व पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने भी यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल करने की मांग की थी।

इसी बीच जानकारी आई है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए 21 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज को मौका दिया गया है। फाइनल मुकाबले के लिए यशस्वी भी इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। वहीं इस बार रुतुराज गायकवाड़ शादी के कारण टीम में शामिल नहीं हो सके हैं जिस कारण यशस्वी को मौका दिया गया है। यशस्वी को कोच राहुल द्रविड़ के सुझाव के कारण सिलेक्टर्स ने इंग्लैंड भेजने का फैसला किया है। यशस्वी को टीम में बतौर ओपनर के स्टैंडबॉय के तौर पर शामिल किया गया है।

जानकारी के अनुसार यशस्वी को स्टैंडबाय के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। वो रुतुराज गायकवाड़ की जगह टीम का हिस्सा बनेंगे। बता दें कि रुतुराज गायकवाड़ की 3-4 जून को शादी है, जिस कारण वो टीम में शामिल नहीं हो सकेंगे। इसकी जानकारी रुतुराज गायकवाड़ ने बोर्ड को दी है। बता दें कि इसके बाद बोर्ड ने यशस्वी का नाम तय किया साथ ही उन्हें रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के निर्देश दिए है। माना जा रहा है कि जल्द ही यशस्वी इंग्लैंड के लिए रवाना हो जाएंगे। आंकड़ों पर गौर तर तों आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के इस खिलाड़ी ने 14 पारियों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 625 रन बनाए थे। फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 80 की औसत के साथ वो 404 रन बना चुके है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन लंदन के लिए 28 मई को रवाना होंगे। वहीं अन्य खिलाड़ी जैसे सूर्यकुमार यादव, मोहम्मद शमी, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा आईपीएल का फाइनल मुकाबला होने के बाद 30 मई को इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। बता दें कि आईपीएल से बाहर होने वाली टीमों में भारतीय टीम के सदस्य पहले ही इंग्लैंड पहुंच चुके है, जिसमें विराट कोहली, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल शामिल है।

सम्पादकीय

गलत संदेश

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत जितनी शानदार रही, उसे संभालना उतना ही मुश्किल साबित होने वाला है, इसका संकेत नतीजे आने के बाद तभी मिल गया, जब बेंगलुरु के एक होटल में अंदर विधायक दल की बैठक चल रही थी और बाहर सिद्दारमैया एवं डी शिवकुमार के समर्थक अपने-अपने नेता को सीएम बनाने की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे। बाद में मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया जिस तरह से लंबी खिंचती गई, उससे यह परसेप्शन मजबूत हुआ कि प्रदेश कांग्रेस की गुटबाजी अभी से रंग दिखाने लगी है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदेश कांग्रेस में सिद्दारमैया और शिवकुमार के रूप में दो बड़ी शख्सियतें पहले से रही हैं और उनमें जब-तब टकराव भी दिखता रहा है। लेकिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के व्यक्तित्व का प्रभाव कहिए या इन दोनों नेताओं की समझदारी, चुनावी लड़ाई के दौरान प्रदेश यूनिट एकजुट बनी रही। लेकिन यह एकता चुनावी नतीजे आने के बाद कमजोर पड़ती नजर आई। वैसे, कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं को इस बात का श्रेय देना पड़ेगा कि उनके मतभेद सार्वजनिक बयानबाजी के रूप में बाहर नहीं आए और न ही कुछ ऐसा हुआ है, जिसे पार्टी से बगावत या पार्टी नेतृत्व को चेतावनी की श्रेणी में रखा जा सके। बल्कि, नाराजगी व्यक्त करने के दौरान भी शिवकुमार का यही बयान मीडिया में छाया रहा कि मैं न तो विश्वासघात करूंगा और न ब्लैकमेल करूंगा, पार्टी जो भी फैसला करेगी मुझे मान्य होगा।

इसका अपना महत्व है, लेकिन इससे यह तथ्य बदल नहीं जाता कि परदे के पीछे पार्टी में सीएम पद को लेकर दोनों गुटों में चार दिनों से घमासान चल रहा है और राष्ट्रीय नेतृत्व चाहकर भी कोई ऐसा फॉर्म्युला नहीं निकाल पा रहा, जो दोनों को खुशी-खुशी स्वीकार हो। बहरहाल, फॉर्म्युला तो देर-सबेर निकल ही जाएगा, दोनों ग्रुप इसे कैमरे के सामने स्वीकार भी कर लेंगे, लेकिन संबंधों में जो गांठ इस रस्साकशी से पड़ी है वह रातों-रात दूर होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। चाहे जो भी फॉर्म्युला निकाला जाए कोई न कोई एक पक्ष उसमें जीता हुआ नजर आएगा। ऐसे में दूसरे पक्ष के लिए आगे यह जताना जरूरी होगा कि उसकी हार नहीं हुई है और यह कि उसे हाशिये पर नहीं डाला जा सकता। लेकिन विधानसभा चुनावों की जीत चाहे जितनी भी जोरदार हो, आगामी चुनौतियों के मद्देनजर पार्टी इस तरह की स्थिति बनी नहीं रहने दे सकती। पार्टी नेतृत्व अगर चाहता है कि कर्नाटक जीत से निकले संदेश का प्रभाव टिका रहे और आगामी चुनावों के लिए माहौल बनाने में उसका इस्तेमाल हो सके तो उसे न केवल मुख्यमंत्री पद पर बना यह गतिरोध जल्द से जल्द दूर करना होगा बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसके बाद प्रदेश में सरकार और पार्टी पूरी सहजता और तालमेल के साथ काम करती नजर आती रहे।

जब विश्व शक्तियां मोदी को बॉस कहें, पैर छुएं तो इससे भारत के वैश्विक कद का पता चलता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में वैसे तो हर देश रेड कार्पेट बिछाता है लेकिन आस्ट्रेलिया ने रेड कार्पेट बिछाने के अलावा आकाश में ही लिख दिया 'वेलकम मोदी'। यही नहीं, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री भारत के प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते करते उन्हें अपने बॉस भी बता बैठे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति मोदी से कह ही चुके हैं कि आप बहुत लोकप्रिय नेता हैं। इसके अलावा अभी एक दिन पहले पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने मोदी के आगमन के समय उनके पैर छुए थे और उनको अपने देश का सर्वोच्च सम्मान देने के साथ ही भारत के प्रधानमंत्री को ग्लोबल साउथ का लीडर करार दिया था। यही नहीं, छोटे से लेकर बड़े देशों तक में होड़ लगी है कि वह मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दें। यह सब दर्शाता है कि भारत में प्रचंड बहुमत की सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी का वैश्विक राजनीति में क्या कद है। विदेशी नेता भी जिस तरह मोदी के फैन हैं उससे यह भी पता लगता है कि क्यों वैश्विक नेताओं के सूची में नरेंद्र मोदी की ही सबसे ज्यादा ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग रहती है।

वैसे आज सिडनी में 'नमस्ते आस्ट्रेलिया' कार्यक्रम संपन्न होने के बाद निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी राहत की सांस ली होगी क्योंकि जबसे मोदी का भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करने का कार्यक्रम तय हुआ था तबसे भीड़ के प्रबंधन को लेकर आस्ट्रेलियाई सरकार और प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए थे। खुद प्रधानमंत्री अल्बनीज ने यह बात मोदी को बताई भी थी। सिडनी में मोदी के कार्यक्रम के बाद अल्बनीज की तो मुश्किल हल हो गयी लेकिन अभी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बरकरार हैं क्योंकि हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि आपके राजकीय दौरे के दौरान दिये जाने वाले रात्रिभोज में शामिल होने के लिए अमेरिका की बड़ी हस्तियों के बीच मारामारी मची हुई है। प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आस्ट्रेलिया के रिश्तों की जो सी-डी-ई समझायी है वह दर्शाती है कि आपसी विश्वास, एक दूसरे के प्रति सम्मान और साझा जरूरतें दोनों देशों को बेहद करीब लाई हैं। सिडनी सामुदायिक कार्यक्रम में द 'लिटिल इंडिया' गेटवे की आधारशिला रखा जाना आने वाली पीढ़ियों को भी करीब लायेगा। साथ ही प्रधानमंत्री के संबोधन ने आस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीयों में जिस ऊर्जा का संचार किया है वह उन्हें बरसों बरस याद रहेगी। अपने संबोधन के माध्यम से प्रधानमंत्री ने विश्व को भारत की युवा शक्ति और हर संकल्प को सिद्ध करने की जिद से भी अवगत कराते हुए हाल के वर्षों में देश की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने ब्रिसबेन में भारत का नया वाणिज्य दूतावास खोलने की मांग मान कर जहां भारतीयों का दिल जीता वहीं आस्ट्रेलिया की विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों और उद्योगपतियों को भी भारत की सुनहरी तस्वीर दिखा कर उन्हें भारत आने और निवेश करने का निमंत्रण दिया है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती चुनौतियों के बीच भारत और आस्ट्रेलिया द्विपक्षीय रूप से और क्वॉड सदस्य के रूप में जिस तरह मित्रता मजबूत कर रहे हैं उससे ड्रैगन का घबराना स्वाभाविक ही है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विज्ञान, कृत्रिम मेधा (एआई), सामाजिक कार्य और कला एवं संगीत जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई हस्तियों के साथ बातचीत भी की और उन्हें भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को मजबूत करने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। मोदी ने जिन हस्तियों से मुलाकात की, उनमें नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रायन पॉल श्मिट, 'टॉयलेट वॉरियर' मार्क बल्ला, कलाकार डेनियल मेट, रॉकस्टार गाइ सेबेस्टियन और सेलिब्रिटी शेफ एवं रेस्तरां मालिक सारा टॉड शामिल थीं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख कंपनियों के उद्योगपतियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रौद्योगिकी, कौशल और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। मोदी ने उद्योगपतियों की बैठक के दौरान हैनकॉक प्रॉस्पेक्टिंग की कार्यकारी चेयरमैन जीना राइनहार्ट, फोर्टेस्क्यू फ्यूचर इंडस्ट्री के कार्यकारी चेयरमैन एंड्रयू फॉरेस्ट और ऑस्ट्रेलियनसुपर के सीईओ पॉल श्रोडर के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, संचार के समुद्री मार्गों की सुरक्षा एवं समुद्री डकैती जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और भारत का मानना है कि इनका समाधान केवल साझा प्रयासों से ही किया जा सकता है। 'द ऑस्ट्रेलियन' अखबार को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह एक 'खुला और मुक्त' हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने में सहायता के लिए रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों सहित ऑस्ट्रेलिया के साथ रिश्तों को 'अगले स्तर' पर ले जाना चाहते हैं। अखबार ने उनके हवाले से कहा, ''मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो आसानी से संतुष्ट हो जाए।'' उन्होंने कहा, ''मैंने देखा है कि प्रधानमंत्री अल्बनीज भी ऐसे ही हैं। मुझे विश्वास है कि जब हम सिडनी में फिर से एक साथ हैं, तो हमें यह पता लगाने का अवसर मिलेगा कि हम अपने संबंधों को अगले स्तर तक कैसे ले जा सकते हैं, कैसे पूरकता के नए क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं और कैसे हमारे सहयोग का विस्तार कर सकते हैं।'' बहरहाल, सिडनी के कार्यक्रम में भारतीयों का उत्साह देख आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने जो कहा वह सबको एक बार फिर जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिरी बार मैंने इस मंच पर ब्रूस स्प्रिंगस्टीन को देखा था मगर उन्हें ऐसा स्वागत नहीं मिला जो प्रधानमंत्री मोदी को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बॉस हैं। वैसे आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने जो आज देखा वह दृश्य भारत अक्सर देखता है जब प्रधानमंत्री की रैलियों में अपार भीड़ एकत्रित होती है। ऐसे दृश्य अक्सर उन देशों में भी देखे जाते हैं जहां प्रधानमंत्री का जाना होता है। खासकर जब प्रधानमंत्री वहां रह रहे भारतीय समुदाय से मिलते हैं तो उन्हें अपने अभिभावक के रूप में पाकर जनता जिस प्रकार का भव्य स्वागत करती है उसे कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष अनोखा दृश्य बता चुके हैं।

जी-20 को लेकर दिख रहा कश्मीरियों का उत्साह पुरानी छवि से छुटकारा पाने की छटपटाहट भी है

कश्मीर को आतंकवाद की राह पर झोंकने वाले लोग सिर्फ कश्मीरी पंडितों के दुश्मन नहीं थे बल्कि वह सभी कश्मीरियों के दुश्मन थे क्योंकि 90 के दशक से कश्मीर की ऐसी छवि बना दी गयी कि वहां हमेशा कर्फ्यू लगा रहता है, टेलिफोन और इंटरनेट सेवाएं बंद रहती हैं, कश्मीरी युवाओं के हाथों में पत्थर और पड़ोसी मुल्क का झंडा होता है। देखा जाये तो कश्मीर की इस प्रकार की जो छवि बनायी गयी थी उससे हर कश्मीरी का नुकसान हुआ क्योंकि पर्यटन जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कश्मीर की गलत छवि के कारण बहुत से देशों ने यहां के बारे में यात्रा परामर्श जारी किये जिससे विदेशी पर्यटक आना बंद हो गये और धीरे-धीरे घरेलू पर्यटकों ने भी आना बंद कर दिया था।

लेकिन हालात हमेशा एक जैसे नहीं रहते। हर रात के बाद सुबह होती ही है। 2014 के लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने अपनी रैलियों में कश्मीरी युवाओं से वादा किया था कि जैसे दिन आपके माता-पिता को देखने पड़े वैसे आपको नहीं देखने दूंगा। प्रधानमंत्री बनते ही मोदी अपने वादे पर खरे भी उतरे। जम्मू-कश्मीर को विकास की तमाम परियोजनाएं देकर वहां स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाये गये, कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की दिशा में कदम उठाये गये, आतंकवाद के बड़े से बड़े आकाओं को जहन्नुम की सैर कराई गयी और अलगाववादियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया। टैरर फंडिंग पर ऐसी चोट की गयी कि आतंकवाद की राह पर चलने वाले आज बिरयानी या ड्राई फ्रूट बेच रहे हैं।

कश्मीर में स्थानीय सरकार को तवज्जो देते हुए केंद्र सरकार ने पंचायत और डीडीसी चुनाव कराये जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भी भाग लिया और वह जनप्रतिनिधि बनकर अपने प्रदेश की सूरत बदलने में जुटे हुए हैं। इसके अलावा, अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर जिस राह पर आगे बढ़ा है उसे पूरी दुनिया देख रही है। को प्रदर्शित करते युवा आज देश के अन्य भागों के युवाओं की तरह ही अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

अब यहां ऐसा कोई कैलेण्डर जारी नहीं होता कि सप्ताह के कौन-कौन-से दिनों में बाजार या कार्यालय बंद रहेंगे, यहां अब शुक्रवार की नमाज के बाद पत्थरबाजी नहीं होती क्योंकि युवाओं को समझ आ चुका है कि अब तक उन्हें बरगला कर अलगाववादियों और आतंकवादियों ने सिर्फ अपना ही हित साधा है। रोजगार मेलों और सेना भर्तियों तथा स्टार्टअप के साथ अपने हुनर

आज केंद्र सरकार की हर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के अन्य भागों की तरह कश्मीरियों को भी मिल रहा है जिससे कोई स्टार्टअप खोल रहा है तो कोई आत्मनिर्भर बनने के लिए किसी और योजना का सहारा ले रहा है। कश्मीर में देशी-विदेशी निवेश की शुरुआत भी हो चुकी है। यही नहीं, जिस तिरंगे को लहराना यहां कभी खतरे से खाली नहीं माना जाता था आज वह गली गली और हर मोहल्ले में शान से लहरा रहा है। स्मार्ट सिटी अभियान के तहत शहरों का कायाकल्प हो रहा है और गांवों में भी बुनियादी से लेकर आधुनिक सुविधाएं तक पहुँच रही हैं। इसके अलावा, अब सीमाई इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने जानमाल की सुरक्षा के लिए बंकरों में नहीं भागना पड़ता क्योंकि भारत के कड़े रुख को देखते हुए पड़ोसी की बंदूकें और तोपें शांत हैं जिसके चलते सीमा से सटे इलाकों में लोग अपने खेतों में बेधड़क होकर खेती भी कर पा रहे हैं। यही नहीं, जिस कश्मीर की खूबसूरती को फिल्मी पर्दे पर दिखाया जाता है उस कश्मीर में पहला मल्टीप्लेक्स, एंटरटेनमेंट और गेमिंग जोन और वो सब सुविधाएं पहुँच चुकी हैं या पहुँच रही हैं जो देश के बड़े महानगरों में देखने को मिलती हैं। इसके साथ ही सड़कों, पुलों और टनलों का जाल इतनी तेजी से फैल रहा है कि आने वाले वर्षों में किसी भी मौसम में कश्मीर में कहीं भी आना जाना मुमकिन होगा। इसके अलावा विभिन्न धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण भी हो रहा है ताकि इस प्रदेश का सांस्कृतिक और आपसी सद्भाव वाला गौरव बहाल हो सके। कश्मीर में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या के टूटते रिकॉर्ड और फिल्मों, धारावाहिकों, वेब सीरिजों और एड फिल्मों की शूटिंग के लिए लगती भीड़ दर्शा रही है कि हमारा कश्मीर वापस खुशहाल हो रहा है।

कश्मीर में होने वाली जी-20 की बैठक को लेकर स्थानीय स्तर पर जो उत्साह देखने को मिल रहा है वह भी देखने लायक है क्योंकि हर कश्मीरी उस गलत छवि से छुटकारा पाने को छटपटा रहा है जो आतंकवाद के दौर में यहां की बना दी गयी थी। इसीलिए सिर्फ प्रशासन के स्तर पर ही नहीं, नागरिक अपने-अपने स्तर पर भी जागरूकता अभियान चला रहे हैं और जी-20 की बैठक से केंद्र शासित प्रदेश को होने वाले लाभों से अवगत करा रहे हैं। साथ ही वह दुनिया को यह जोरशोर से बता देना चाहते हैं कि यह नया कश्मीर आगे बढ़ने और सफलता पाने के लिए बेताब है।

मौत के ताबूत बने मिग-21 लड़ाकू विमानों पर रोक लगाकर वायुसेना ने सराहनीय फैसला लिया

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान मिग-21 के पूरे बेड़े की उड़ान पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए एयरफोर्स ने यह फैसला लिया है। राजस्थान में सूरतगढ़ के पास 8 मई को एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक मिग-21 एयरक्राफ्ट क्रैश होकर आबादी क्षेत्र के मकानों पर गिर गया था। उस हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई थी। वायु सेना ने मिग-21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को उड़ान भरने से तब तक के लिए रोक दिया है जब तक कि राजस्थान में हुए हादसे की जांच पूरी नहीं हो जाती है।

मौत के उड़ते ताबूत कहलाने वाले मिग-21 लड़ाकू विमान के आये दिन दुर्घटनाग्रस्त होते रहने के कारण उन्हें फ्लाइंग कॉफिन और विडो मेकर कहा जाने लगा है। इस कारण इनको स्थायी रूप से सेना से बाहर करने की मांग होती रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के 400 से ज्यादा मिग-21 विमान पिछले 60 सालों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जिसमें 200 से अधिक पायलटों और 63 नागरिकों की जान जा चुकी है। अभी वायु सेना के पास मिग-21 बाइसन की तीन स्क्वाड्रन हैं। जिन्हें 2025 की शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से वायु सेना से हटाया जाएगा। मिग-21 को 1960 के दशक में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। एक जमाने में ये दुनिया के सबसे ताकतवर लड़ाकू विमानों में शामिल था। इसकी तेज रफ्तार और मारक क्षमता के आगे अमेरिका जैसे देश भी डरते थे। ये इकलौता ऐसा लड़ाकू विमान है जिसे दुनियाभर के 60 से ज्यादा देशों में इस्तेमाल किया गया है। अब तक इस लड़ाकू विमान की 11 हजार 496 यूनिट्स का निर्माण किया जा चुका है। मिग-21 विमानन इतिहास का पहला सुपरसोनिक जेट विमान है। सत्तर के दशक में यह दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला फाइटर प्लेन था। मिग-21 वही फाइटर प्लेन है जिससे भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराया था। हालांकि उनका मिग-21 विमान भी क्रेश कर गया था। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में भी मिग-21 ने अहम भूमिका निभाई थी। मिग-21 बाइसन फाइटर जैट का इस्तेमाल अब केवल इंटरसेप्टर के रूप में किया जा रहा है। इनका उपयोग लड़ाकू जेट के रूप में सीमित भूमिका के साथ ज्यादातर प्रशिक्षण अभ्यास के लिए किया जाता है। ये विमान एयरक्राफ्ट शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज एयरक्राफ्ट मिसाइलों से हमला करने में सक्षम है। इस लड़ाकू विमान की स्पीड 2229 किलोमीटर प्रति घंटा की है। मिग-21 लडाकू विमान को बनाने वाली सोवियत वायु सेना ने इसे 1985 में ही अपनी वायु सेना से हटा दिया था। 1985 के बाद बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने भी इसे सेवा से हटा दिया था। भारत में भी 1990 के दशक के मध्य में इनकी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी हो गई थी। इसके बावजूद इनका उन्नयन किया जाता रहा है। अक्टूबर 2014 में तत्कालीन वायु सेना प्रमुख ने कहा था कि पुराने विमानों को सेवा से हटाने में देरी से भारत की सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि वायु सेना बेड़े के कुछ विमान बहुत पुराने हो गये हैं।

नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने में देरी के कारण भारतीय वायु सेना को मिग 21 विमानों को लंबे समय तक सेवा में रखना पड़ा। वायुसेना को भारत के आसमान की रक्षा के लिए भारतीय वायु सेना ने शेष सभी मिग-21 लड़ाकू स्क्वाड्रन को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए तीन साल की कार्य

एक निश्चित संख्या में स्क्वाड्रन ताकत बनाए रखने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेशी तेजस कार्यक्रम में देरी, राफेल सौदे को लेकर राजनीतिक विवाद और धीमी गति वाली खरीद प्रक्रिया के कारण ही मिग-21 को सामान्य से अधिक समय तक सेवा में रखना पड़ रहा है।जुलाई 2022 में योजना तैयार की थी। जिसमें से एक स्क्वाड्रन सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाली है। एक समय मिग-21 विमान अपने सभी संस्करणों के साथ भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ बना था। वहीं वायुसेना में दुर्घटनाओं की संख्या भी मिग-21 विमानों में सबसे अधिक थी। भारतीय वायु सेना मिग-21 लड़ाकू विमानों को मजबूरी में उड़ा रही थी। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान व चीन से दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए लड़ाकू विमानों की 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मगर भारत के पास अभी 32 स्क्वाड्रन ही मौजूद हैं। जिनमें भी तीन स्क्वाड्रन मिग-21 के शामिल हैं। भारतीय वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की कमी का मुख्य कारण लंबे समय से लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करना है। 2016 में फ्रांस से दो स्क्वाड्रन विमानों की खरीद की गई थी। भारत में निर्मित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की 83 यूनिट खरीदने के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को आर्डर दिए गए हैं। जिनकी आपूर्ति में अभी समय लगेगा। ऐसे में वायु सेना को तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारत ने 114 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए वैश्विक स्तर पर बोलियां आमंत्रित की हैं। इन मल्टीरोल लड़ाकू विमानों की खरीद पर भारत सरकार करीबन एक लाख करोड़ रुपयों से अधिक की राशि खर्च करेगी। अमेरिकी, फ्रांसीसी और स्वीडिश विमान निर्माता कंपनियां इस सौदे को हासिल करने के लिए दौड़ में शामिल हैं। अगले साल से स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस वायु सेना को मिलने शुरू हो जाएंगे। जिससे उम्मीद है कि आने वाले चार-पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना के पास 40 से अधिक स्क्वाड्रन हो जाएंगी। हमारे देश में वायु सेना के लिए विमानों व हेलीकॉप्टरों में खरीद की प्रक्रिया धीमी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व में घोषणा की थी कि विभिन्न दुर्घटनाओं में क्षतिग्रस्त हुए 12 सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान और 21 मिग 29 विमानों को जल्दी ही खरीद कर वायुसेना को दिया जाएगा ताकि वायुसेना के बेड़े में उनकी संख्या पूर्ववत हो जाए। मगर यह सौदा भी अभी बातचीत के स्तर पर ही चल रहा है। यदि समय पर उक्त सौदा पूरा हो जाता तो भारतीय वायु सेना को 33 लड़ाकू विमान और मिल जाते। मिग-21 लड़ाकू विमानों की उड़ानों पर रोक लगाकर वायु सेना ने एक सराहनीय फैसला लिया है। आए दिन मिग-21 लड़ाकू विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से जहां पायलटों की तो जान जा ही रही थी उसके साथ ही आमजन की भी हानि होने की संभावना बनी रहती थी। जिस तरह से राजस्थान के सूरतगढ़ के पास एक गांव में मकान पर मिग-21 विमान गिरा जिससे 3 महिलाओं की मौत हो गई थी। वह तो गनीमत थी कि पायलट ने घनी आबादी से दूर विमान को ले जाने का प्रयास किया था। जिसकी बदौलत बड़ी दुर्घटना होने से रह गई थी। ऐसी दुर्घटनाओं के चलते जहां तक संभव हो मिग-21 को जमीन पर ही रखा जाए तो देश व सेना के लिए अच्छा होगा।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का दावा, रूस परमाणु संयंत्र पर हमले की साजिश रच रहा

कीव। यूक्रेनी सेना की खुफिया इकाई ने बिना कोई सबूत दिये दावा किया है कि उसके देश के दक्षिणी हिस्से में स्थित उस परमाणु संयंत्र पर रूस हमले की साजिश रच रहा, जो अभी उसके कब्जे में है। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के खुफिया निदेशालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में दावा किया गया है कि रूसी सेनाएं यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमला करेंगी और इसके बाद रेडियोधर्मी लीक होने की जानकारी देंगी, ताकि एक अंतरराष्ट्रीय जांच शुरू हो जाए। ताकि उसकी सेनाओं को पलटवार करने से पहले मोहलत मिल जाए, जिसकी उसे फिर से संगठित होने के लिए जरूरत है।

बेंगलुरु जा रहा नेपाल एयरलाइंस का विमान काठमांडू लौटा

बेंगलुरु। नेपाल एयरलाइंस के एक विमान से कथित तौर पर एक पक्षी टकरा गया, जिसके बाद विमान को यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (टीआईए) पर लौटना पड़ा। पक्षी के टकराने से संभवतः विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए थे। टीआईए के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला के अनुसार, नेपाल एयरलाइंस का ए320 विमान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित तरीके से उतर गया और तकनीशियन इसकी जांच कर रहे हैं। समाचार पोर्टल 'नेपाल न्यूज़' ने बताया कि विमान ने अपराह्न 1:45 बजे टीआईए से उड़ान भरी, लेकिन उसे 25 मिनट बाद उसी हवाई अड्डे पर वापस लौटना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए।

पाक के गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र में हिमस्खलन से 10 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में शनिवार को हिमस्खलन की घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि गिलगित-बाल्टिस्तान के अस्तोर जिले के शंटर टॉप इलाके में हुए हिमस्खलन में जान गंवाने वाले 10 लोगों में तीन महिलाएं शामिल हैं। उसने कहा, 'स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया।

पीएम मोदी ने सेंगोल को किया साष्टांग प्रणाम अधीनम संतों की मौजूदगी में दिया सम्मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए संसद भवन का उद्घाटन कर दिया है। वैदिक विधि विधान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नए संसद भवन का उद्घाटन किया और देश को इसे समर्पित किया। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के अधीनम संतों द्वारा सौंपा गया सेंगोल भी नए संसद भवन में स्थापित किया। ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक परिधान में द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया।

वहीं जब सेंगोल को संसद भवन में स्थापना करने के लिए लेकए आया गया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा कदम उठाया जिससे सत्ता और संस्कृति का संगम होता हुआ नए संसद भवन में दिखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल को साष्टांग प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर वहां उपस्थित तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मोदी और बिरला ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बता दें कि नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों का सम्मान भी किया जिन्होंने इस ऐतिहासिक इमारत के निर्माण में अपना अहम योगदान दिया है। टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा निर्मित नए संसद भवन में भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान हॉल, सांसदों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान होगा। त्रिकोणीय आकार की चार मंजिला इमारत 64,500 वर्ग मीटर में फैली है। इस इमारत के तीन मुख्य द्वार ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार हैं। इसमें विशिष्ट जन, सांसदों और आगंतुकों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार होंगे। नए भवन के लिए उपयोग की गई सामग्री देश के विभिन्न हिस्सों से लाई गई है। इमारत में इस्तेमाल सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र के नागपुर से मंगाई गई थी, जबकि लाल और सफेद बलुआ पत्थर राजस्थान के सरमथुरा से खरीदा

गया था। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले और हुमायूं के मकबरे के लिए बलुआ पत्थर भी सरमथुरा से प्राप्त किया गया था। केसरिया हरे पत्थर को उदयपुर से, लाल ग्रेनाइट को अजमेर के पास लाखा से और सफेद संगमरमर को राजस्थान के अंबाजी से खरीदा गया है। एक अधिकारी ने कहा, ''एक तरह से पूरा देश लोकतंत्र के मंदिर के निर्माण के लिए एक साथ आया, जो एक प्रकार से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की सच्ची भावना को दर्शाता है।'' लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों में फॉल्स सीलिंग के लिए स्टील का ढांचा केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव से मंगाया गया है जबकि नई इमारत का फर्नीचर मुंबई में तैयार किया गया था। इमारत में पत्थर की जाली का काम किया गया है, जिसमें राजस्थान के राजनगर और उत्तर प्रदेश के नोएडा का योगदान है। अशोक स्तंभ के लिए सामग्री महाराष्ट्र के औरंगाबाद और राजस्थान के जयपुर से मंगाई गई थी जबकि लोकसभा और राज्यसभा कक्षों की विशाल दीवारों और संसद भवन के बाहरी हिस्से में लगे अशोक चक्र को मध्य प्रदेश के इंदौर से खरीदा गया था। नए संसद भवन में निर्माण गतिविधियों के लिए कंक्रीट मिश्रण बनाने के लिए हरियाणा के चरखी दादरी से 'एम-सैंड' यानी निर्मित रेत का उपयोग किया गया। एम-सैंड को पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है क्योंकि यह बड़े कठोर पत्थरों या ग्रेनाइट को कुचलकर निर्मित होता है, न कि नदी के तल में निकर्षण द्वारा। निर्माण में इस्तेमाल 'फ्लाई ऐश' ईंटें हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मंगाई गई थीं, जबकि पीतल के काम और पूर्वनिर्मित खाइयां गुजरात के अहमदाबाद से थीं। 'फ्लाई ऐश' एक बारीक पाउडर है जो तापीय बिजली संयंत्रों में कोयले के जलने से उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है।

योगी आदित्यनाथ ने नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को बधाई दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को एक ट्वीट में कहा ''ऐतिहासिक क्षण। 'नये भारत' की आशाओं, अपेक्षाओं

और अभिलाषाओं की पूर्ति का प्रतीक, वैभवशाली, गौरवशाली व प्रेरणादायी नये संसद भवन को आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र को समर्पित किया है। सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।'' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह दिल्ली में नये संसद भवन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने नये संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम' अनुष्ठान किया। प्रधानमंत्री ने 'सेंगोल' (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा के पास नशीले पदार्थ ले जा रहे पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया, एक गिरफ्तार

अमृतसरः सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी

ड्रोन को मार गिराया और शनिवार शाम को एक तस्कर को नशीले पदार्थों की खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि हाल के दिनों में बीएसएफ कर्मियों द्वारा मार गिराए जाने वाला यह छठा ड्रोन है। बीएसएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, अमृतसर के धनोए खुर्द गांव के पास गहरे इलाके में तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी और 27 मई की रात को एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। क्षेत्र की बाद की खोज के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने धनोए खुर्द गांव के पास तैनात जवानों ने भी तीन लोगों को गांव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और लगभग 3.4 किलोग्राम के तीन पैकेटों की संदिग्ध खेप वाले एक बैग के साथ एक संदिग्ध को पकड़ लिया। खेप के साथ एक लोहे का हुक और चार चमकदार पट्टियां भी जुड़ी हुई पाई गईं। बीएसएफ ने कहा कि 'इस बीच, ग्राम धनो खुर्द के पास तैनात सैनिकों ने भी 03 व्यक्तियों को गाँव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और 03 पैकेट (सकल वजन - लगभग 3.4 किलोग्राम) के संदिग्ध मादक पदार्थों की खेप वाले बैग के साथ 01 संदिग्ध को पकड़ लिया। एक लोहे का हुक और 04 चमकदार पट्टियां भी खेप के साथ जुड़ी हुई मिलीं। इसमें कहा गया है, 'मादक पदार्थों की तस्करी के पाकिस्तान के एक और नापाक प्रयास को सतर्क बीएसएफ जवानों ने नाकाम कर दिया।'

अफ़ग़ान सीमा परईरानी सेना तालिबान के बीच गोलीबारी

काबूल। ईरान और अफगानिस्तान के बीच हेलमंद नदी के पानी पर अधिकार को लेकर जारी विवाद के बीच तालिबान और ईरान के सुरक्षा बलों में शनिवार को गोलीबारी हुई। वहीं, अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने ईरान पर गोलीबारी की शुरुआत करने का आरोप लगाया। ताकोर ने कहा कि गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें से एक व्यक्ति अफगानिस्तान का और दूसरा ईरान का था। उन्होंने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है। वहीं, ईरान सरकार ने कहा है कि गोलीबारी में ईरान का कोई सुरक्षाकर्मी हताहत नहीं हुआ है। इस महीने की शुरुआत में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने तालिबान को हेलमंद नदी पर ईरान के जल क्षेत्र के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी दी थी।

'आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री' ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद रविवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ऐसे ''आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री'' ने यह उद्घाटन किया है, जिन्हें संसदीय परंपराओं से नफरत है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को उनके संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह नए संसद भवन का उद्घाटन किया। मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम' अनुष्ठान किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश ने ट्वीट किया, 28 मई को आज के दिनः नेहरू, जिन्होंने भारत में संसदीय लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए सबसे अधिक काम किया, उनका 1964 में अंतिम संस्कार किया गया था। रमेश ने कहा, सावरकर, जिनकी विचारधारा ने

ऐसा माहौल बनाया जो महात्मा गांधी की हत्या का कारण बना, उनका जन्म (आज ही के दिन) 1883 में हुआ था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, जो इस पद पर बैठने वाली पहली आदिवासी हैं, उन्हें अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''उन्हें (राष्ट्रपति को) 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन की इजाज़त नहीं दी गई। रमेश ने आरोप लगाया, एक आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री, जिन्हें संसदीय प्रक्रियाओं से नफ़रत है, जो संसद में कम ही उपस्थित रहते हैं या कार्यवाहियों में कम ही भाग लेते हैं, वे 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस समेत करीब 20 विपक्षी दलों ने संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया है। उनका कहना है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति को करना चाहिए।

सीबीआई अंतिम आदेश आने तक सांसद अविनाश रेड्डी को गिरफ्तार नहीं करे : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में कडपा से लोकसभा सांसद अविनाश रेड्डी को अस्थायी राहत देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शनिवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आदेश दिया कि उनकी याचिका पर अंतिम आदेश पारित होने तक पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के सिलसिले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता को गिरफ्तार ना किया जाए। सांसद की अग्रिम ज़मानत प्रदान करने का आग्रह करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही उच्च न्यायालय की अवकाश कालीन पीठ अगली सुनाई 31 मई को करेगी और आदेश सुनाएगी। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता, अविनाश रेड्डी और सीबीआई की दलीलें सुनीं। अविनाश को सीबीआई ने 22 मई को यहां पेश

होने के लिए समन भेजा था। उन्होंने केंद्रीय एजेंसी को पत्र लिखकर अपनी मां के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पेश होने के लिए समय मांगा था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई अविनाश मार्च 2019 में हुई विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सीबीआई की जांच के दायरे में हैं। वह इस साल कम से कम पांच बार सीबीआई के सामने पेश हो चुके हैं। बाद में उन्होंने तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख कर अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। उनके पिता वाई एस भास्कर रेड्डी को सीबीआई ने इस मामले के सिलसिले में 16 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के भाइयों में से एक विवेकानंद रेड्डी की राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले 15 मार्च, 2019 की रात कडपा जिले के पुलिवेंदुला में उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी।

नई संसद का उद्घाटन : शरद पवार ने बीजेपी पर कसा तंज

आरजेडी ने भवन की कर दी ताबूत से तुलना, भड़के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह देश के नए संसद भवन का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बजाय पीएम मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने की वजह से विपक्ष ने समारोह का बॉयकॉट किया। कांग्रेस, समासजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी समेत 20 विपक्षी पार्टियां आज दिल्ली में हुए नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हुईं। विपक्ष के बिना नए संसद भवन का उद्घाटन किए जाने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मोदी

सरकार पर तंज कसा है।

शरद पवार ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'मैंने सुबह घटना देखी। मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं गया। वहां जो कुछ हुआ उसे देखकर मैं चिंतित हूं। क्या हम देश को पीछे ले जा रहे हैं? क्या यह आयोजन सीमित लोगों के लिए ही था?' बता दें, पवार से पहले उनकी पार्टी की नेता सुप्रिया सुले ने भी इस समारोह पर सवाल उठाते हुए इसे 'अधूरा आयोजन' करार दिया था। सुले ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'बिना विपक्ष की उपस्थिति के नए संसद भवन का उद्घाटन संपन्न नहीं हो सकता, इसका मतलब है कि देश में लोकतंत्र नहीं है। ये एक अधूरा कार्यक्रम है। तीन दिन पहले हमें व्हाट्सएप पर निमंत्रण भेजा गया। वे फोन पर विपक्ष के नेताओं से संपर्क कर सकते थे।।।पुराने संसद भवन से हमारी यादें जुड़ी हुई हैं। हम सभी पुराने संसद भवन से प्यार करते हैं, वह भारत की आजादी का वास्तविक इतिहास है। लेकिन अब हमें नए संसद भवन में जाना होगा। विपक्ष के बिना नए संसद भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद से विपक्षी पार्टियां बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी पर हमलवार हो गई है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने संसद के नए भवन की तुलना ताबूत से की है। राजद ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर दो तस्वीरें शेयर की है। एक में संसद का नया भवन है और दूसरी में ताबूत दिखाया गया है। इसके साथ कैप्शन में राजद ने लिखा है, 'ये क्या है?' पार्टी को नए संसद भवन की ताबूत से तुलना करना भारी पड़ गया। सोशल मीडिया यूजर्स राजद पर भड़क गए हैं और जमकर उनकी क्लास लगा रहे हैं।

झारखंड देश के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य करने हेतु तत्पर : हेमंत सोरेन

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कहा कि राज्य में विगत तीन वर्षों में विकास की गति में काफी तेजी आई है और झारखंड देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने हेतु तत्पर है। नीति आयोग की शासी परिषद् की आठवीं बैठक में हेमंत सोरेन ने अपने भाषण में यह बात कही।हेमंत ने कहा, झारखंड में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री से आग्रह है कि सहयोगपरक संघवाद के सिद्धान्तों को धरातल पर उतारते हुए झारखंड को उचित सहयोग प्रदान किया जाय, जिससे विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में झारखंड भी अपनी भागीदारी दर्ज करा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा विगत

वर्षों में राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किये गये हैं। सोरेन ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने एवं झारखंड की मूलभूत सरंचना को मजबूत बनाने हेतु सरकार द्वारा सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनका कहना था कि सरकार के प्रयासों से निवेशकों में विश्वास बढ़ेगा और निवेशक प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण राज्य में निवेश हेतु प्रोत्साहित होंगे।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ करने हेतु पृथक एमएसएमई निदेशालय की स्थापना एवं वर्तमान जिला उद्योग केन्द्रों को जिला एमएसएमई केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना है। उनका कहना था कि राज्य एवं जिला में समन्वय स्थापित कर 2.8 लाख से अधिक पंजीकृत एमएसएमई उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त राज्य में एमएसएमई प्रोत्साहन नीति 2023 और एमएसएमई विशेष रियायत अधिनियम 2023 का प्रारूप तैयार किया गया है जिसे शीघ्र लागू किया जाएगा। उनका कहना था कि इस सेक्टर में स्थायी पूंजी पर देय पूंजीगत सब्सिडी को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर अधिकतम 40 प्रतिशत तक किया जा रहा है।

सोरेन ने कहा कि झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग घनत्व को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने के लिए कुल आठ प्रमुख सड़क कॉरिडोर (1662.50 किमी) को भी चिन्हित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उनके अनुसार राज्य में स्वयं सहायता समूह एवं ग्राम संगठनों में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने में झारखंड हमेशा से अग्रणी रहा है।

भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह, अपने साथ वालों को ही निगल लेती है : संजय राउत

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद गजानन कीर्तिकर द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में उनकी पार्टी के साथ सौतेला व्यवहार किए जाने की शिकायत करने के एक दिन बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मगरमच्छ या अजगर की तरह है, जो कोई भी उसके साथ होता है, उसे वह ''निगल'' लेती है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद तत्कालीन अविभाजित शिवसेना और भाजपा की राहें जुदा होने का हवाला देते हुए कहा कि यही कारण था कि उनकी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2019 में भाजपा से दूरी बना ली। राउत ने कहा, ''शिवसेना ने खुद को भाजपा से दूर कर लिया, क्योंकि पार्टी इसे खत्म करने की कोशिश कर रही थी। भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह है। जो भी उनके साथ जाता है, वे उसे निगल जाते हैं। अब वे (शिवसेना सांसद और विधायक, जिन्होंने नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी) महसूस करेंगे कि इस मगरमच्छ से दूरी बनाने का उद्धव ठाकरे का कदम सही था।'' राज्यसभा सांसद ने कहा कि भाजपा के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया है, आज भी वह वैसा ही व्यवहार करती है। विपक्षी खेमे के मुख्यमंत्रियों के नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने पर राउत ने कहा, ''यदि गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करते हैं, तो इसका मतलब है कि केंद्र और नीति आयोग उनके या राज्य सरकारों के साथ ठीक से व्यवहार नहीं करते हैं। वे नाराज हैं।'' राउत ने आरोप लगाया कि जो चाटुकारिता का सहारा नहीं लेते, नीति आयोग उनकी मांग पूरी नहीं करता और यह बात सभी जानते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में काफी बेचैनी है। राउत ने कहा, ''गजानन कीर्तिकर ने जो बात कही है, वही शिवसेना (यूबीटी) का भी रुख है। वे (भाजपा) अपनी बात पर कायम नहीं रहे। उन्होंने कहा, ''इसी कारण से महाराष्ट्र और पार्टी के सम्मान के लिए उद्धव ठाकरे ने अलग होने का फैसला लिया।'' शिवसेना सांसद कीर्तिकर ने शुक्रवार को कहा था, ''हम राजग का हिस्सा हैं... इसलिए हमारा काम उसी के अनुसार होना चाहिए और (राजग) घटकों को (उपयुक्त) दर्जा मिलना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। यदि करियर को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उसमें आपको आज कोई सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी कुछ समस्याओं को लेकर अपने सीनियर्स से बातचीत करेंगे, तो वह भी आसानी से हल हो जाएंगी, लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सावधान रहना होगा, नहीं तो वह आपको कोई नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो थी या चोरी हो गई थी, तो वह भी आपको प्राप्त होगी। आप किसी से धन उधार लेने से बचें, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर व्यस्तता बनी रहेगी, जिसके कारण संतान के कामों की ओर ध्यान नहीं देंगे। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस करना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। आप अपने किसी काम को कल पर टालने से बचें, नहीं तो वह लंबा लटक सकता है। आपको परिवार के सदस्यों के साथ किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। अपनी शिक्षा में आ रही समस्याओं को लेकर आप अपने गुरुजनों से कुछ मदद ले सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए कुछ समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको कई काम एक साथ हाथ लगने से समझ नहीं आएगा कि किसे करूं और किसे छोड़ दूं। तनाव रहने के कारण आपके ऊपर दवाब बना रहेगा, जिसे देखकर परिवार के सदस्य भी परेशान रहेंगे। संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो आज उसके परिणाम आ सकते हैं। आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा, लेकिन आपकी किसी काम को पहल करने की आदत आपको थोड़ा परेशान करेगी। अधिकारियों से भी आपको किसी बात को लेकर डांट खानी पड़ सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। आपकी नौकरी में बदलाव की योजना पूरी हो सकती है, क्योंकि आपको कोई दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं, जिसे देखकर उनको खुशी होगी। विद्यार्थियों का अध्ययन और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ने से पढ़ाई पर पूरा फोकस बना पाएंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिसे देखकर आपको खुशी होगी। माताजी को कोई आंखों से संबंधित समस्या हो सकती है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। आपके परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा, लेकिन आपके कुछ शत्रु आपके ऊपर हावी होने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपकी तरक्की देखकर आज माहौल खुशनुमा रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई अहम जानकारी प्राप्त हो सकती है। आपका किसी नई प्रॉपर्टी को खरीदने का सपना पूरा होगा। माता पिता के आशीर्वाद से आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या राशिः आज के दिन आपके चारों तरफ का वातावरण खुशनुमा रहेगा और परिवार में किसी सदस्य को नौकरी मिलने से परिवार के सदस्य प्रसन्न रहेंगे, लेकिन व्यस्त रहने के कारण आप उनकी जरूरतों की पूर्ति पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति भी सचेत रहने की आवश्यकता है, नहीं तो आपके हाथ पैरों में दर्द, सिरदर्द, बदन दर्द आदि जैसी समस्या पैदा सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि अनबन चल रही थी, तो वह आज आपसे मिलने में आ सकते हैं। कार्य क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, जिससे आपको तरक्की भी मिल सकती है, जो आपको खुशी देगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर तनाव बना हुआ था, तो वह भी आज दूर होगा। आपका कोई मित्र निवेश संबंधी योजना लेकर आ सकता है। आपको व्यापार संबंधी योजना में धन लगाना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है और परिवार में यदि आप किसी सदस्य को कोई सलाह देंगे, तो आप उस पर अमल करते नजर आएंगे, जिसे देखकर आपको खुशी होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप अपनी शान शौकत की कुछ वस्तुओं की खरीदारी पर भी अधिक धन देंगे, जिसके कारण आपके खर्चे भी बढ़ सकते हैं। अत्यधिक तले हुए भोजन से आपको पेट संबंधित समस्या हो सकती है। आपकी किसी बात को लेकर माताजी से बहसबाजी हो सकती है, जिसमें आप वाणी की मधुरता बनाए रखें, नहीं तो उन्हे आपकी कोई बात बुरी लग सकती है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपका कोई संपत्ति संबंधित मामला सुलझ जाएगा, जिसके बाद फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आपको किसी की कही सुनी बातों में आकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा, नहीं तो बाद में गलत साबित हो सकता है और आपको समस्या होगी। आपकी किसी बचपन के मित्र से आज लंबे समय बाद मुलाकात होगी। पिताजी को आप किसी धार्मिक यात्रा पर लेकर जा सकते हैं, जिसमें आप वाहन बहुत ही सावधानी से चलाएं। आपको अपने आस-पड़ोस में हो रहे वाद विवाद में चुप रहना बेहतर रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं, तो उसके लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आपको व्यवसाय से संबंधित कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, जो लोग अपने कामों को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उनकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलता दिख रहा है। आपका कोई पुराना मित्र आपके घर दावत पर आ सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ राशिः आज का दिन गृहस्थ जीवन जी रहे लोगों के लिए खुशनुमा रहेगा। यदि रिश्ते में अपने साथी से कुछ अनबन चल रही थी, तो वह आज दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में यदि आपसे कोई गलती हो, तो आप उसे तुरंत स्वीकार करें, नहीं तो अधिकारियों से आपको डांट खानी पड़ सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को आज तरक्की मिलेगी, जिससे उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, लेकिन आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं और आप अपने कामों पर फोकस बनाए रखें।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से भटक सकता है। इधर-उधर के कामों पर ध्यान न लगाएं। बिजनेस कर रहे लोग अपने जरूरी कामों पर फोकस बनाएं रखे, नहीं तो उन्हें कोई बड़ा नुकसान हो सकता है। आपको किसी संपत्ति का सौदा बहुत सोच विचारकर करना होगा, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा हो सकता है। किसी कानूनी मामले में आप किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें।

सिनेमाघरों में नहीं अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी विद्या बालन की शकुंतला देवी

मुम्बई। अभी हाल ही में अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना की फिल्म गुलाबो-सिताबों को अमेजम प्राइम वीडियो पर रिलीज करने का फैसला लिय गया था। अब अमेजन प्राइम पर एक और बड़ी फिल्म रिलीज होने जा रही हैं। विद्या बालन की लीड भूमिका वाली फिल्म 'शकुंतला देवी' का प्रीमियर सिनेमाघरों की बजाए ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रखा जाएगा। विद्या बालन फिल्म की दिवंगत गणितीय जादूगर शकुंतला देवी पर एक बायोपिक है, जिसे सेकंड के भीतर जटिल गणना करने की उनकी सहज क्षमता के लिए 'मानव कंप्यूटर' उपनाम दिया गया था। अमेजन प्राइम वीडियो पर फिल्म की रिलीज की घोषणा करते हुए, विद्या ने ट्वीट किया, 'यह घोषणा करने में प्रसनन्ता हो रही हैं। आपको अपने सभी प्रियजनों के साथ ंझसन्न्राद पर बहुत जल्द क्ष्शकुंतलादेवी को देखने को मिलेगा। रोमांचित हैं कि हम इन अभूतपूर्व समय में आपका मनोरंजन कर पाएंगे। शकुंतला देवी के बारे में बात करते हुए, विद्या बालन ने पहले कहा था, 'मैं मानव-कंप्यूटर, शकुंतला देवी का किरदार निभाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। वह वास्तव में एक व्यक्ति थी जिसने अपनी व्यक्तित्व को गले लगाया, एक मजबूत नारीवादी आवाज थी और सफलता के शिखर तक पहुंचने के लिए कई लोगों को अभिवादन किया।

आयुष्मान खुराना के जैसा ही टैलेंटेड है उनका बेटा, गिटार बजाते फोटो आई सामने

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना कुछ समय से लगातार सुपरहिट फिल्में दे रहे हैं। 2018-2019 आयुष्मान खुराना के नाम रहा। फिल्म की सफलताओं के चलते आयुष्मान खुराना ने अपनी फीस भी बढ़ा दी थी। फिल्म बधाई हो, शुभ मंगल सावधान, बरेली की बर्फी, अंधाधुन, ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों में आयुष्मान खुराना ने कमान का काम किया है। 2020 में आयुष्मान खुराना की फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान रिलीज हुई थी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना ने गे का किरदार निभाया था। सोशल मुद्दे पर बनीं इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया था।

आयुष्मान खुराना के अंदर शानदार एक्टिंग का टैलेंट तो है ही वह एक शानदार गायक भी हैं। आयुष्मान खुराना का पानी दा रंग गाना आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ हैं। कविता लिखाना, गिटार बजाना जैसे कई टैलेंट आयुष्मान खुराना के अंदर हैं। अब कुछ आयुष्मान खुराना जैसा टैलेंट उनके बेटे में भी देखने को मिल रहा हैं।

इब्राहिम अली खान के बॉलीवुड डेब्यू को सारा अली खान ने किया कंफर्म,फिल्म से जुड़ी जानकारी

मुम्बई। सारा अली खान इन दिनों सुपर बिजी चल रही हैं। अभिनेत्री, जो विक्की कौशल के साथ ज़रा हटके ज़रा बचके शीर्षक वाली अपनी अगली फ़िल्म की रिलीज़ का इंतज़ार कर रही हैं, ने इस साल कान्स में अपनी शुरुआत की! अभिनेत्री 20 मई को भारत लौटी। कान में अभिनेत्री ने अपने भाई इब्राहिम

अली खान के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने पुष्टि की कि 'इग्गी पॉटर', जैसा कि वह उसे प्यार से बुलाती है, एक अभिनेता के रूप में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है। खास़ बात यह है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है! सारा अली खान ने पुष्टि की है कि उनके भाई, इब्राहिम अली खान, अपने अभिनय की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म साथी के साथ बात करते हुए, सारा ने अपने भाई इब्राहिम और मां अमृता के बारे में बात की और खुलासा किया, 'उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी पहली फिल्म की शूटिंग अभी पूरी की है, जिस पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। हां, उसके पास है और जब भी वह घर आता है, चाहे वह स्कूल से हो या शूट से, हम दोनों का उसके प्रति बेहद प्यार और पसंद, यह रवैया है और तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास मेरी मां का दिल है। क्योंकि हम इब्राहिम के साथ बहुत समान व्यवहार करते हैं। तथ्य यह है कि इब्राहिम ने अपनी पहली फिल्म के रूप में एक धर्मा फिल्म साइन की है। इंडिया टुडे को विशेष रूप से पता चला था कि इब्राहिम अली खान की धर्मा के साथ पहली फिल्म का नाम अस्थायी रूप से सरजमीन है। यह इमोशनल थ्रिलर होगी जिसमें इब्राहिम अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म फरवरी के अंत में फ्लोर पर चली गई। काजोल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, और पृथ्वीराज के साथ बनती हैं।

काजोल और शाहरुख की हिट जोड़ी करने जा रही है बड़े पर्दे पर वापसी?

मुम्बई। 90 के दशक की बॉलीवुड की सबसे रोमांटिक जोड़ी शाहरुख खान और काजोल की मानी जाती थी। शाहरुख खान और काजोल ने साथ में दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, कुछ-कुछ होता है, करण अर्जुन, कभी खुशी कभी गम जैसी कई सारी ब्लॉकबस्टर मूवीज दी है। काजोल ने शादी के बाद शाहरुख के साथ बहुत कम फिल्मों में काम किया। कजोल की जोड़ी शाहरुख खान के साथ लोग काफी पसंद करते थे। कहते है कि इसी कारण शाहरुख खान और काजोल को अजय देवगन से काम करने से रोक दिया था। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि शाहरुख खान और अजय देवगन के बीच किसी बाद से आपस में मननुटाव रहा है। इस लिए अजय देवगन शाहरुख के साथ काजोल को काम करने से रोकते थे। खैर लंबे समय बाद शाहरुख खान और काजोल के बीच सब कुछ ठीक हुआ और 90 के दशक की ये सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर फिल्म दिलवाले के साथ पर्दे पर लौटी। फिल्म में शाहरुख खान और कजोल का रोमांटिक एंगल भी दिखाया गया। ये जोड़ी एक बार फिर लोगों के दिलों पर छा गयी। रोहित शेट्टी की फिल्म दिलवाले को क्रिटिक्स की तरफ से तो अच्छे रिव्यू नहीं मिले लेकिन फैंस ने फिल्म को एंजोय किया। फिल्म दिलवाले के सेट का एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिलवाले की पूरी टीम यानी की शाहरुख खान, काजोल, वरुण धवन, कृति सेनन सहित और फिल्म के सदस्य मिल कर सलमान खान की मूवी प्रेम रतन पायो पर डांस कर रहे हैं। दिलवाले और प्रेम रतन धन पायो 2015 में आस-पास रिलीज हुई थी। आज पांच साल बाद एक बार फिर शाहरुख खान और काजोल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। कुछ दिन पहले ऐसी भी खबरें सामने आयी थी कि शाहरुख खान और कजोल एक बार फिल्म स्क्रिन साथ में शेयर करने जा रहे हैं। अभी तक इस खबर की कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई हैं।

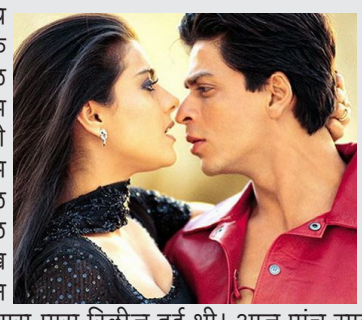

हॉलीवुड की ग्रेटा गाबर हिन्दी व बांग्ला फिल्मों की अभिनेत्री सुचित्रा सेन

मुम्बई। हिन्दी एवं बांग्ला फ़िल्मों की एक अभिनेत्री थीं। वह मुनमुन सेन की माँ थी। विशेषकर उत्तम कुमार के साथ अभिनय करने के कारण वे सारे पश्चिम बंगाल में अत्यन्त जनप्रिय हुईं। उत्तम-सुचित्रा की जोड़ी आज भी बांग्ला चलचित्र की श्रेष्ठ जोड़ी मानी जाती है। वे प्रथम भारतीय अभिनेत्री हैं जिनको किसी अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र महोत्सव में पुरस्कार प्रदान किया गया। सुचित्रा सेन का जन्म 6 अप्रैल, 1931 को बंगाल के पबना ज़िले में हुआ था, जो अब बांग्लादेश में है। सुचित्रा के पिता करुणामॉय दासगुप्ता एक स्थानीय स्कूल में हेड मास्टर थे। यह भी अजीब विडंबना रही कि सुचित्रा की पहली फ़िल्म शेष कथाय (बंगाली) कभी रिलीज ही नहीं हुई। सुचित्रा सेन ने अपने करियर की शुरुआत 1952 में बंगाली फ़िल्म शेष कोठई से की थी। उन्हें 1955 में बिमल राय की हिन्दी फ़िल्म देवदास में उन्होंने पारो की भूमिका निभाई थी। इसमें उनके साथ दिलीप कुमार थे। दिग्गज अभिनेता उत्तम कुमार और सुचित्रा सेन की जोड़ी को कोई नहीं भुला सकता। दोनों ने 1953 से लेकर 1975 तक 30 फ़िल्मों में साथ काम किया। 1959 की बंगाली फ़िल्म दीप जवेले जाई को सुचित्रा की सर्वश्रेष्ठ फ़िल्मों में गिना जाता है। दस साल बाद यह फ़िल्म हिंदी में बनी थी, जिसमें सुचित्रा वाला रोल वहीदा रहमान ने किया था। 1975 की फ़िल्म आंधी में सुचित्रा का रोल इंदिरा गांधी से प्रेरित बताया गया था। सुचित्रा ने इतना जबरदस्त अभिनय किया था कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामित किया गया था। हालांकि सुचित्रा तो सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री नहीं चुनी गई, लेकिन फ़िल्म के उनके साथी कलाकार संजीव कुमार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जरूर बन गए। उनकी बेटी मुनमुन सेन भी मां के नक्शे कदम पर चलते हुए बंगाली फ़िल्मों के साथ हिंदी फ़िल्मों में भी आई। लगभग 25 साल के अभियन कॅरियर के बाद उन्होंने 1978 में बड़े पर्दे से ऐसी दूरी बनाई कि उन्होंने लाइमलाइट से खुद को बिल्कुल अलग कर लिया। सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की एक ऐसी हस्ती थीं, जिन्होंने अपनी अलौकिक सुंदरता और बेहतरीन अभिनय के दम पर लगभग तीन दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज किया और अग्निपरीक्षा, देवदास तथा सात पाके बंधा जैसी यादगार फ़िल्में कीं। हिरणी जैसी आंखों वाली सुचित्रा 1970 के दशक के अंत में फ़िल्म जगत को छोड़कर एकांत जीवन जीने लगीं। उनकी तुलना अक्सर हॉलीवुड की ग्रेटा गाबरे से की जाती थी, जिन्होंने लोगों से मिलना-जुलना छोड़ दिया था। कानन देवी के बाद बंगाली सिनेमा की कोई अन्य नायिका सुचित्रा की तरह प्रसिद्धि हासिल नहीं कर पाई। श्वेत-श्याम फ़िल्मों के युग में सुचित्रा के जबर्दस्त अभिनय ने उन्हें दर्शकों के दिलों की रानी बना दिया था। उनकी प्रसिद्धि का आलम यह था कि दुर्गा पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी और सरस्वती की प्रतिमाओं के चेहरे सुचित्रा के चेहरे की तरह बनाए जाते थे।

सुचित्रा सेन पहली ऐसी बंगाली अदाकारा बनीं जिन्हें इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया। उन्हें सात पाके बांधा के लिए 1963 में मॉस्को फ़िल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। सुचित्रा सेन ने 1955 में देवदास में पारो का किरदार निभाया था, ये उनकी पहली हिंदी फ़िल्म भी थी। लोगों की नज़रों से दूर और एकांत में रहने के लिए 2005 में सुचित्रा सेन ने दादा साहब फालके पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया था। सुचित्रा सेन अभिनीत फ़िल्म आंधी के रिलीज के 20 हफ्तों बाद ही इसे गुजरात में प्रतिबंधित कर दिया गया था। 1977 में जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद ही इससे रोक हटाई गई। फ़िल्मों से अपने रिटायरमेंट के बाद से ही सुचित्रा सेन लोगों की नजरों से दूर रहीं और अपना समय रामकृष्ण मिशन में लगाया। सुचित्रा सेन ने फ़िल्म देवी चौधराइन के लिए सत्यजीत रे का ऑफर ठुकरा दिया था। जिसके बाद सत्यजीत रे ने ये फ़िल्म कभी नहीं बनाई। आर।के। बैनर के तले राज कपूर के फ़िल्म प्रस्ताव को भी सुचित्रा सेन ठुकरा चुकी हैं। फ़िल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए उन्हें दो बार नामित किया गया। 1963 में फ़िल्म ममता और 1976 में फ़िल्म आंधी के लिए। सुचित्रा सेन पहली बंगाली अभिनेत्री थीं, जिन्होंने इंटरनेशल फ़िल्म फेस्टिवल अवॉर्ड जीता। उन्होंने 1963 के मॉस्को फ़िल्म फेस्टिवल में अपनी फ़िल्म सात पाके बांधा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता था।

म्यूजिक कंपोजर, सिंगर, सोंग राइटर, पेंटर और एक्टर भी है अली जफर

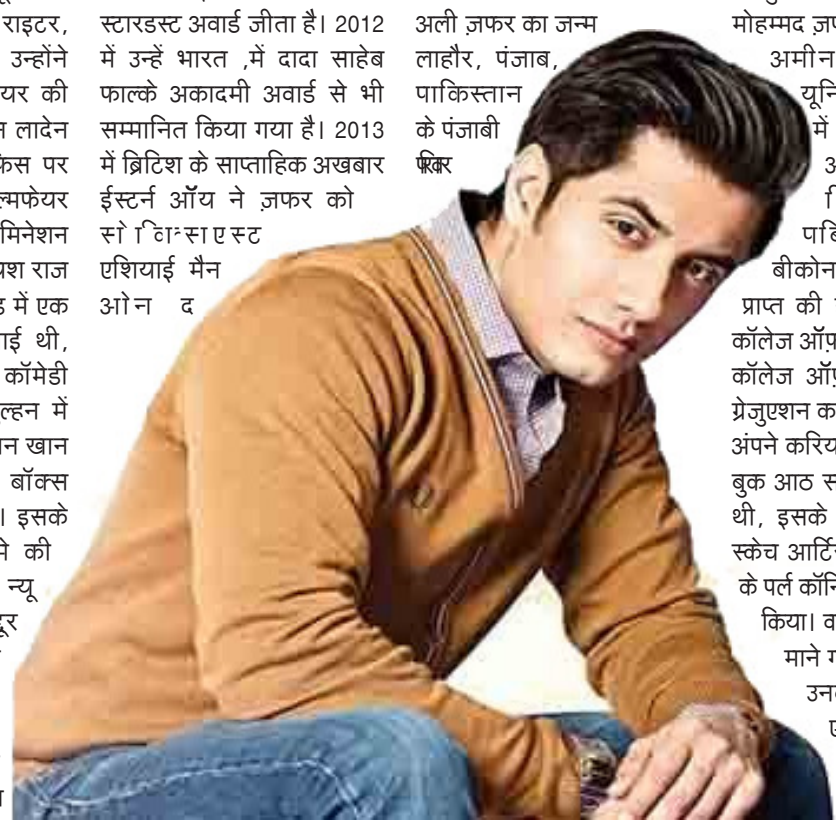

पाकिस्तानी म्यूज़िक कंपोजर, सिंगर, सोंग राइटर, पेंटर और एक्टर भी है। उन्होंने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत फिल्म तेरे बिन लादेन से की जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू के लिए नॉमिनेशन मिला। 2011 में उन्होंने यश राज की फिल्म लव का दी एंड में एक छोटी सी भूमिका निभाई थी, इसके बाद वे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन में कटरीना कैफ और इमरान खान के साथ नज़र ए जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मे की जिनमे लंदन, पेरिस, न्यू यॉर्क (2012), चश्मेबद्दूर (2013), टोटल सियाप्पा (2014) शामिल है। अली ज़फर ने 3 लक्स स्टाइल अवार्ड, 3 इंडस म्यूजिक अवार्ड, 3 एम टीवी स्टाइल अवार्ड और 1 स्टारडस्ट अवार्ड जीता है। 2012 में उन्हें भारत ,में दादा साहेब फाल्के अकादमी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। 2013 में ब्रिटिश के साप्ताहिक अखबार ईस्टर्न ऑय ने ज़फर को सो [illegible] एस्ट एशियाई मैन ऑन द प्लेनेटक के लिए वोट किया था। अली ज़फर का जन्म लाहौर, पंजाब, पाकिस्तान के पंजाबी [illegible] में हुआ है। उनके माता-पिता मोहम्मद ज़फरुल्लाह और कंवल अमीन दोनों ही पंजाब यूनिवर्सिटी, पाकिस्तान में प्रोफेसर है। अली ने अपनी स्कूल की शिक्षा सी।ऐ।ऐ पब्लिक स्कूल और बीकोनहाउस स्कूल सिस्टम प्राप्त की है। उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ लाहौर और नेशनल कॉलेज ऑफ़ आटर्स से अपनी ग्रेजुएशन कम्पलीट की। ज़फर ने अंपने करियर की पहली कॉमिक बुक आठ साल की उम्र में बनाई थी, इसके अलावा उन्होंने एक स्केच आर्टिस्ट के रूप में लाहौर के पर्ल कॉन्टिनेंटल होटल में काम किया। वह पाकिस्तान के जाने-माने गायक और एक्टर है, उनकी पहली म्यूजिक एल्बम 2003 में हुका पानी पाकिस्तान और 2005 में दुनियाभर में रिलीज़ हुआ था जो एक बड़ी सफल एल्बम थी। इसके बाद उनकी कई एलबम्स कामयाब रही। वह एक गायक, एक्टर के आलावा एक अच्छे निर्देशक भी है उन्होंने आदित्य चोपड़ा निर्मित फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन का निर्देशन भी किया था। अली ज़फर ने आयेशा फ़ाज़िल से इस्लामिक रीती-रिवाजों से 28 जुलाई, 2009 में लाहौर, पाकिस्तान में शादी की थी। 6 मार्च, 2010 में उनके घर एक बेटे ने जन्म लिया जिसका नाम उन्होंने अज़ान ज़फर रखा। हाल ही में अली ज़फर यशराज फिल्मस की किल दिल में रणवीर सिंह, गोविंदा और परिणीती चोपड़ा के साथ एहम भूमिका में नज़ार आए थे। अली पाकिस्तान और हिंदुस्तान में एक्टिंग के मामले में बहुत पोपुलर है और उनकी अदाकारी को खूब पसंद किया जाता है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।